संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

ॐ

■ वर्ष -17 ■ अंक-107 ■ रायपुर, सोमवार 14 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग

वारः सोमवार
तिथिः भाद्रपद शुक्ल तृतीया
पक्षः शुक्ल पक्ष
मासः भाद्रपद (शुक्ल पक्ष)
ऋतुः वर्षा ऋतु
विक्रम संवतः 2083
शक संवतः 1948
नक्षत्र, योग और करण
नक्षत्रः चित्रा दोपहर 01:55 तक
योगः ब्रह्म दोपहर 12:47 तक
करणः गर सुबह 07:06 तक
चन्द्र राशिः तुला राशि में
सूर्य राशिः सिंह राशि में
पंचकः आज पंचक नहीं है।
अभिजीत मुहूर्तः दोपहर 12:09 से 12:58 तक।
राहुकालः सुबह 07:58 से 09:30 तक

नंदनकानन जू में शेरनी माया के दोनों शावकों की मौत

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के भुवनेश्वर के नंदनकानन जूलॉजिकल पार्क से एक दुखद खबर सामने आई है। शेरनी माया के दूसरे शावक की भी मौत हो गई। यह शावक जन्म के महज तीन दिन बाद मृत पाया गया। इसके साथ ही माया से जन्मे दोनों शावक अब जीवित नहीं हैं। माया ने पहली बार मां बनते हुए 7 सितंबर को दो शेर शावकों को जन्म दिया था। इनमें से एक शावक की जन्म के दिन ही मौत हो गई थी, जबकि दूसरा शावक तीन दिन तक जीवित रहा। हालांकि, जन्म के बाद से ही उसे दूध पीने में परेशानी हो रही थी। मृत नर शावक के बारे में पता लगा कि जब वह जीवित था तो अपनी मां का दूध ठीक से नहीं पी पा रहा था। बताया जा रहा है कि जब वह दूध पीने की कोशिश करता था, तो दूध उसके मुंह से पेट तक जाने के बजाय नाक से बाहर निकल रहा था। इस वजह से शावक अपनी जरूरत के मुताबिक मां का दूध नहीं ले पा रहा था। कुछ समय बाद उसकी हालत खराब होती गई और जन्म के तीसरे दिन उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, शावक की मौत की बड़ी वजह जन्मजात क्लेफ्ट पैलेट बताई गई है। क्लेफ्ट पैलेट एक ऐसी जन्मजात स्थिति है, जिसमें मुंह के अंदर का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह से सामान्य तरीके से विकसित नहीं होता। इस वजह से शावक के लिए दूध को सही तरीके से निगलना मुश्किल हो सकता है।

मणिपुर के गांव में उग्रवादियों ने की अंधाधुंध फायरिंग महिला की मौत

मणिपुर। मणिपुर के तामेंगलोंग जिले में रविवार तड़के संदिग्ध उग्रवादियों ने एक गांव में अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। हमले में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति और बेटा घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह करीब चार बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-37 के पास स्थित टॉलेन कुकी गांव में हुई। यह राजमार्ग इंफाल को जिरीबाम से जोड़ता है। संदिग्ध उग्रवादियों ने गांव को निशाना बनाते हुए अचानक गोलीबारी शुरू कर दी।पुलिस ने बताया कि गोलीबारी में ल्हिंगनगाई नामक महिला की उसके घर के भीतर मौत हो गई। वहीं, उसका पति और बेटा घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबल मौके पर पहुंचे और घायलों को चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई। घटना के बाद कैमाई ग्राम प्राधिकरण ने हमले की कड़ी निंदा की।

शिक्षक सम्मान समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने का सबसे सशक्त माध्यम है शिक्षा : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

शिक्षा व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा आवश्यक है और इस पूरी प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक बच्चों को केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व को गढ़ते हैं, उन्हें संस्कार और सही दिशा देते हैं तथा उनके माध्यम से समाज एवं राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बेमेतरा के बेसिक स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान एवं प्रतिभावान विद्यार्थी सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समारोह में जिले के 81 सेवानिवृत्त शिक्षकों को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर बोर्ड एवं महाविद्यालयीन परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिले के 42 मेधावी छात्र-छात्राओं को भी विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की ओर से गोल्ड मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने सम्मानित शिक्षकों और विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे देश में गुरु के सम्मान की गौरवशाली परंपरा रही है। शिक्षक अपने ज्ञान, अनुभव और संस्कारों से पीढ़ियों का निर्माण करते हैं। एक शिक्षक द्वारा दी गई शिक्षा का प्रभाव केवल एक विद्यार्थी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचता है। इसीलिए शिक्षक को राष्ट्र निर्माता कहा गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा ज्ञान का वह प्रकाश है, जो अज्ञानता के अंधकार को दूर करता है। शिक्षा व्यक्ति को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाने के साथ उसमें आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करती है। शिक्षित और संस्कारित नागरिक ही सशक्त समाज तथा विकसित राष्ट्र का निर्माण करते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत प्राचीन काल से ज्ञान और शिक्षा की भूमि रहा है। तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्व प्रसिद्ध शिक्षा केंद्रों में दुनिया के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थी ज्ञान अर्जित करने आते थे। हमारी यह समृद्ध ज्ञान परंपरा आज भी हमें प्रेरणा देती है। बदलते समय और नई तकनीकों के दौर में शिक्षा के स्वरूप में भी तेजी से बदलाव आ रहा है। ऐसे में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ उन्हें भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना जरूरी है।

हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर देना हमारा संकल्प

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ का कोई भी बच्चा संसाधनों या अवसरों के अभाव में पीछे न रहे। गांव हो या शहर, गरीब हो या संपन्न परिवार - हर बच्चे को अपनी प्रतिभा निखारने, अच्छी शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को साकार करने के समान अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए आईआईटी, आईआईएम, एम्स और ट्रिपल आईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित संस्थाएं स्थापित हैं। इससे प्रदेश के युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के नए अवसर सृजित हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को बेहतर वातावरण और संसाधन उपलब्ध कराने के लिए नालंदा परिसर जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। यहां विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर लाइब्रेरी, स्टडी मटेरियल और आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। नई दिल्ली में भी छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

उन्होंने कहा कि आर्थिक परिस्थितियां किसी प्रतिभावान विद्यार्थी की शिक्षा और उसके सपनों के रास्ते में बाधा न बनें, इसके लिए राज्य सरकार छात्रवृत्ति, शिक्षा ऋण और विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को सहयोग प्रदान कर रही है। हमारा उद्देश्य केवल शिक्षित युवा तैयार करना नहीं, बल्कि ऐसे आत्मविश्वासी, कुशल और सक्षम युवा तैयार करना है जो विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

बेमेतरा को गौरव पथ और विद्युत सब-स्टेशन की सौगात

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर बेमेतरा जिले के विकास के लिए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने बेमेतरा शहर में गौरव पथ के निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत किए जाने तथा ग्राम पंचायत तिवरिया में नवीन विद्युत सब-स्टेशन के निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा के साथ-साथ सड़क, बिजली, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शहरों और गांवों में बेहतर अधोसंरचना का निर्माण विकास की गति को तेज करने के साथ नागरिकों के जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाएगा।

"मोर गांव मोर पानी" अभियान के उल्लेखनीय कार्यों का हुआ सम्मान

समारोह में "मोर गांव मोर पानी" महाअभियान के अंतर्गत जल संरक्षण एवं भू-जल स्तर में सुधार के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों को भी सम्मानित किया गया। बेमेतरा जिले को क्रिटिकल जोन से सेमी-क्रिटिकल जोन की दिशा में लाने के लिए किए गए प्रयासों के लिए जनपद पंचायत बेमेतरा, बेरला एवं नवागढ़ को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जल संरक्षण को भविष्य की पीढ़ियों से जुड़ा विषय बताते हुए कहा कि जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। शासन के प्रयासों के साथ जनभागीदारी जुड़ने पर बड़े बदलाव संभव होते हैं। उन्होंने जल संरक्षण के क्षेत्र में जिले में किए गए प्रयासों की सराहना की। समारोह में प्रबुद्ध नागरिकों एवं समाजसेवी संस्थाओं द्वारा प्रकाशित "शिक्षक स्मृति" पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

जनकल्याण और सुशासन के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के साथ गरीब, किसान, महिला और युवा सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों के पक्के आवास का सपना पूरा किया जा रहा है। महतारी वंदन योजना से महिलाओं को आर्थिक संबल मिला है। वहीं तकनीक के उपयोग से शासन की सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सरल और नागरिक-केंद्रित बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अटल मॉनिटरिंग पोर्टल, सेवा सेतु और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन जैसी पहलों के माध्यम से शासन और नागरिकों के बीच की दूरी कम करने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि योजनाओं और सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सरलता और समयबद्धता के साथ पहुंचे।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में बड़ा हादसा
लोहे का गेट गिरने से बच्चे की मौत

धरसींवां (एजेंसी)। राजधानी रायपुर से लगे तिल्दा के समीप स्थित सिमगा तहसील के हथबंद गांव में स्वामी आत्मानंद स्कूल प्रबंधन की घोर लापरवाही सामने आई है, जहां लंबे समय से जर्जर पिलर में लगा लोहे का गेट 7 वर्षीय मासूम बच्चे के ऊपर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, सात वर्षीय शिवम यादव पिता नन्हीं यादव निवासी रतनपुर बिलासपुर रिश्तेदारों के यहां हथबंद आया था। शनिवार को वह स्वामी आत्मानंद स्कूल के मुख्य गेट के सामने खेल रहा था, तभी जर्जर पिलर से लगा स्कूल का लोहे का गेट उसके ऊपर गिर गया, जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। ग्रामीण लंबे समय से जर्जर पिलर पर लगे गेट की मरम्मत की मांग कर रहे थे, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने कभी इसे गंभीरता से नहीं लिया, जिसका दुष्परिणाम एक सात साल के मासूम की दर्दनाक मौत के रूप में सामने आया।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वैश्विक मंच पर सशक्त हुई भारत की भूमिका : विष्णुदेव साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज विश्व पटल पर एक विश्वसनीय और प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभरा है। वर्ष 2026 में BRICS की अध्यक्षता और 18वें BRICS शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और नेतृत्व क्षमता का परिचायक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरव का अवसर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को मजबूती से आगे बढ़ा रहा है, बल्कि विकासशील देशों और ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं को भी वैश्विक मंचों पर सशक्त स्वर दे रहा है।

उन्होंने कहा कि "Building Resilience, Innovation, Cooperation, and Sustainability" की थीम के साथ भारत की BRICS अध्यक्षता वैश्विक सहयोग, नवाचार और सतत विकास को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत का दृष्टिकोण सदैव दुनिया को साथ लेकर चलने और साझा प्रगति के नए मार्ग तैयार करने का रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक मंचों पर सदैव स्पष्ट और दृढ़ रुख रखा है। साथ ही डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, वित्तीय समावेशन और तकनीक के माध्यम से जनसामान्य के जीवन में बदलाव का भारत का मॉडल आज दुनिया के लिए प्रेरणा बन रहा है। BRICS जैसे मंच इन अनुभवों और विकास की संभावनाओं को साझा करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका देश और राज्यों के लिए निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार और रोजगार के नए अवसर भी लेकर आ रही है। विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ भी विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

नदी में बहे तीनों युवकों के शव बरामद

जांजगीर-चांपा (एजेंसी)। जिले के देवरी पिकनिक स्पॉट में हसदेव नदी के तेज बहाव में बहे तीनों युवकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। तीनों शवों को बलौदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। वही पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है। बता दें कि घटना बलौदा थाना क्षेत्र की है। बिलासपुर के चौकसे कॉलेज के बी फार्मा फर्स्ट ईयर के 4 छात्र और 4 छात्राएं शुक्रवार को पिकनिक मनाने के लिए देवरी गांव आए थे। पवन लाल, सचिन सिंह और मुरारी साहू सेल्फी लेने नदी किनारे खड़े हुए थे। इस

दौरान एक छात्र का पैर फिसला और वह नदी में बहने लगा। उसे बचाने के लिए पानी में उतरे दो दोस्त भी बह गए थे।

सूचना पर बलौदा थाना प्रभारी मनोहर सिन्हा पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया, जिसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। शनिवार को पवन का शव बरामद कर लिया गया था, जबकि रविवार सुबह एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीम ने दो और शवों को नदी से बाहर निकाला।

जानकारी के अनुसार, अंबिकापुर निवासी सचिन सिंग का शव सुबह करीब 6:15 बजे बरामद हुआ। इसके बाद मुरारी साहू का शव करीब 7 बजे मिला। बताया जा रहा है कि मुरारी साहू का शव घटनास्थल पर पत्थरों के बीच बनी खोह में फंसा हुआ था। एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीम ने काफी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति टोकायेव ने रणनीतिक साझेदारी को दिया नया आयाम

द्विपक्षीय संबंधों पर जताई संतुष्टि

नई दिल्ली ■ एजेंसी

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कज़ाकिस्तान के साथ भारत के प्राचीन सभ्यतागत संबंधों को याद किया और हाल के वर्षों में भारत-कज़ाकिस्तान संबंधों के लगातार विकास पर संतोष व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कज़ाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव ने रविवार को दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने के अपने संकल्प को दोहराया। साथ ही, उन्होंने हाल के वर्षों में भारत-कज़ाकिस्तान संबंधों के लगातार विकास पर संतोष व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर राष्ट्रपति टोकायेव से मुलाकात की; क ज़ा ख राष्ट्रपति ने आज ही भारत मंडपम में ब्रिक्स सत्रों में भाग लिया था। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की, जिनमें राजनीतिक संबंध, व्यापार, रक्षा और सुरक्षा, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, उभरती प्रौद्योगिकियां, रचनात्मक अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच संबंध शामिल हैं। उन्होंने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी अपने विचार साझा किए।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कज़ाकिस्तान के साथ भारत के प्राचीन सभ्यतागत संबंधों को याद किया और हाल के वर्षों में भारत-कज़ाकिस्तान संबंधों के लगातार विकास पर संतोष व्यक्त किया।

विशाखापट्टनम में आयोजित 41वें IATO Annual Convention में प्रदेश की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पर्यटन संभावनाओं का हुआ प्रभावी प्रदर्शन

राष्ट्रीय पर्यटन मंच पर छत्तीसगढ़ की गूंज, देश-दुनिया के सामने खुली पर्यटन संभावनाओं की नई राह

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक खूबसूरती, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं ने एक बार फिर राष्ट्रीय पर्यटन मंच पर अपनी अलग पहचान दर्ज कराई है। विशाखापट्टनम में आयोजित 41वें इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (IATO) के वार्षिक सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास की संभावनाओं और भविष्य की दिशा पर विस्तार से चर्चा हुई। देशभर से जुटे पर्यटन विभागों, यात्रा संचालकों और पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच छत्तीसगढ़ की विविधतापूर्ण पर्यटन क्षमता को सामने रखने का अवसर मिला। सम्मेलन के दौरान प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए जाने के साथ छत्तीसगढ़ को 'Best Emerging Tourist Destination' के प्रतिष्ठित सम्मान से भी नवाजा गया।

विशाखापट्टनम स्थित नोवोटेल वरुण बीच में 10 से 13 सितंबर तक आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन की मुख्य विषय-वस्तु 'भारत–विश्व के पर्यटन अवसरों का अगला बड़ा केंद्र' रही। सम्मेलन में देश में पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने, नए पर्यटन स्थलों को विकसित करने तथा पर्यटन कारोबार को बढ़ावा देने से जुड़े विभिन्न विषयों पर मंथन किया गया। इस राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ ने अपनी पर्यटन विविधता और संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए देश के पर्यटन

मानचित्र पर अपनी बढ़ती उपस्थिति को रेखांकित किया। सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास की दिशा, प्रदेश की विशेषताओं और यहां मौजूद पर्यटन अवसरों को प्रमुखता से रखा गया। प्राकृतिक सौंदर्य से लेकर इतिहास, धर्म, संस्कृति और जनजातीय जीवन तक छत्तीसगढ़ की विविध पहचान को पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया गया। प्रदेश की पर्यटन संपदा को प्रभावशाली वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से देशभर से आए ट्रैवल एजेंट्स और टूर ऑपरेटर्स के सामने प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति में छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, आदिवासी संस्कृति, वन्यजीव, जलप्रपात, पुरातात्विक धरोहर और साहसिक पर्यटन स्थलों की आकर्षक झलक दिखाई गई। प्रस्तुति के दौरान देशभर से आए ट्रैवल एजेंट्स और टूर ऑपरेटर्स को छत्तीसगढ़ को अपनी नई यात्रा इटिनरी में शामिल करने तथा इसे एक उभरते हुए पर्यटन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित किया गया।

गणेश चतुर्थी पर शिल्पा शेट्टी के घर पधारे बप्पा, एक्ट्रेस ने जयकारों के साथ किया स्वागत, चेहरे पर दिखी खुशी

मुंबई (एजेंसी)। गणेश चतुर्थी के आते ही पूरा देश उत्सव के रंग में रंग जाता है। खासतौर पर मायानगरी मुंबई में ये त्योहार बहुत ही धूमधाम से सेलिब्रेट होता है।

बॉलीवुड के कई सितारे अपने घर पर हर साल बप्पा का स्वागत करते हैं और इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। कई सितारों ने गणेश चतुर्थी की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर 2026 को मनाया जा रहा है।

बॉलीवुड में हर साल बप्पा के आगमन की धूम देखने को मिलती है। कई सितारे गणेश चतुर्थी पर अपने घर बप्पा को लेकर आते हैं और उनकी पूजा-सत्कार करते हैं। एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी की भी बप्पा पर गहरी आस्था है। हर साल शिल्पा शेट्टी अपने परिवार के साथ मिलकर गणपति उत्सव मनाती हैं और इस बार भी गणेशोत्सव की तैयारी उन्होंने शुरू कर दी है।

बप्पा की प्रतिमा घर लाईं शिल्पा शेट्टी

गणेश चतुर्थी से एक दिन पहले यानी रविवार, 13 सितंबर को शिल्पा शेट्टी ने अपने घर में बप्पा का स्वागत किया। एक्ट्रेस अपने पति राज कुंद्रा के साथ मिलकर गणेश चतुर्थी से एक दिन पहले बप्पा की प्रतिमा घर लाई हैं। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें छाई हैं। सेलिब्रिटी पैपराजी विरल भयानी ने भी एक वीडियो साझा किया है, जिसमें शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा को बप्पा का स्वागत करते देखा जा सकता है। पिस्ता ग्रीन सूट में शिल्पा चप्पल उतारकर कार से बप्पा को उतारती हैं और 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों के साथ बप्पा की प्रतिमा का स्वागत घर में किया।

शिल्पा शेट्टी ने बीते साल नहीं मनाया था गणेशोत्सव

शिल्पा शेट्टी हर साल धूमधाम से गणेश उत्सव मनाती हैं और बप्पा को लेकर उनकी आस्था से हर कोई वाकिफ है। लेकिन, बीते साल यानी 2025 में शिल्पा के परिवार ने ये पर्व सेलिब्रेट नहीं किया। दरअसल, अभिनेत्री के परिवार में शोक के चलते वह ये परंपरा पिछले साल जारी नहीं रख सकीं। परंपराओं के अनुसार, घर में कोई शोक होने पर 13 दिनों तक कोई पूजा-पाठ नहीं होती है, इसी कारण शिल्पा शेट्टी भी पिछले साल बप्पा का स्वागत नहीं कर सकीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर ये जानकारी साझा की थी।

ये सेलिब्रिटी भी बप्पा का करते हैं स्वागत

शिल्पा शेट्टी ही नहीं, बॉलीवुड में कई सितारे हैं जो गणपति उत्सव के दौरान अपने घर में बप्पा का स्वागत करते हैं। सोनू सूद, अर्पिता खान, आयुष्मान खुराना, कार्तिक आर्यन, श्रद्धा कपूर, सोनाली बेंद्रे सहित कई सितारे हर साल अपने घर में धूमधाम से बप्पा की प्रतिमा स्थापित करते हैं। कई टीवी सेलिब्रिटी भी ये पर्व धूमधाम से मनाते हैं।

रोहित रॉय ने टीवी इंडस्ट्री की 'डस्टबिन' से की तुलना

मुंबई (एजेंसी)। टीवी और फिल्म एक्टर रोहित रॉय इन दिनों अपने एक बयान को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में रोहित रॉय ने टीवी इंडस्ट्री की तुलना 'कूड़ेदान' से कर दी। उन्होंने टीवी को 'डस्टबिन मीडियम' (कूड़ेदान जैसा माध्यम) बताते हुए ये भी कहा कि टीवी एक्टर्स में शालीनता और क्लास की कमी होती है। उन्होंने खुलकर सिनेमा को टीवी से बेहतर बताया और कहा कि टीवी एक्टर्स की तुलना में फिल्म एक्टर्स बेहतर होते हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म एक्टर्स में स्टाइल, क्लास और लोगों के बीच व्यवहार करने का बेहतर सेंस होता है, जबकि टीवी एक्टर्स को इसकी कम समझ होती है। उनके इस बयान पर अब टीवी कलाकारों के बीच बवाल खड़ा हो गया है। देवोलीना भट्टाचार्य से लेकर नमन शॉ जैसे टीवी स्टार्स ने रोहित रॉय के बयान की आलोचना की। इस बीच कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने भी रोहित रॉय के बयान पर रिएक्शन दिया और

रोनित रॉय ने क्या कहा?

रोहित रॉय ने किंडल कास्ट यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान कहा कि उन्हें लगता है कि फिल्म और टीवी एक्टर्स के पब्लिक में पेश आने के तरीके में अंतर होता है। उन्होंने कहा कि फिल्म स्टार्स जब पब्लिक में आते हैं तो उनमें एक खास तरह का ग्रेस और खुद को प्रेजेंट करने का तरीका देखने को मिलता है। उन्होंने टीवी एक्टर्स की गैदरिंग के बारे में बात करते हुए कहा कि टीवी एक्टर्स में व्यवहार, कपड़ों और पैपराजी से बातचीत में वो नजाकत या सोफिस्टिकेशन देखने को नहीं मिलती, जो फिल्म स्टार्स में होती है।

टीवी इंडस्ट्री को कहा 'डस्टबिन मीडियम'

बातचीत के दौरान जब राहुल रॉय से होस्ट ने कहा कि इसका मतलब सिनेमा और टीवी के बीच के अंतर को वह मानते हैं, तो अभिनेता ने कहा कि सिनेमा 'आने वाली पीढ़ियों के लिए' होता है जबकि टीवी 'डस्टबिन जैसा माध्यम' होता है। रोहित रॉय के इसी बयान पर अब टीवी सितारों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस बीच मुकेश छाबड़ा ने भी टीवी एक्टर्स के बचाव में एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने राहुल रॉय का नाम लिए बिना टीवी एक्टर्स को लेकर अपनी अलग राय साझा की।

मुकेश छाबड़ा ने टीवी एक्टर्स का बचाव किया

राहुल रॉय के इस बयान के बाद कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने टीवी एक्टर्स के प्रोफेशन की चुनौतियों के लिए उनकी तारीफ की। उन्होंने बताया कि कैसे टीवी एक्टर्स बहुत सारा कंटेंट याद रखते हैं और लगभग हर दिन काम करते हैं। यही नहीं, वह प्रोडक्शन की जरूरतों के हिसाब से तेजी से खुद को बदलने की काबिलियत रखते हैं। उन्होंने टीवी एक्टर्स के समर्पण और कमिटमेंट की जमकर तारीफ की।

मुकेश छाबड़ा का पोस्ट

अपने पोस्ट में मुकेश छाबड़ा ने लिखा- 'हमें जो ज्यादातर एक्टर्स मिले हैं, वे टेलीविजन से हैं और मेरा सच में मानना है कि टेलीविजन एक्टर्स कमाल के होते हैं।

41 की उम्र में दूसरी बार मां बनने वाली हैं माहिरा खान, फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

मुंबई (एजेंसी)। पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान ने घोषणा की है कि वह दूसरी बार मां बनने वाली हैं। 41 साल की एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी तस्वीर के साथ यह खुशखबरी शेयर की, जिसमें वह अपना बेबी बंप दिखाती नजर आ रही हैं। व्हाइट कलर के लूज गाउन में माहिरा ने अपनी जिंदगी के इस नए पड़ाव की झलक दिखाते हुए बहुत सादगी से यह गुड न्यूज दी है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब एक्ट्रेस काफी व्यस्त हैं और टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2026 में अपना जलवा बिखेर रही हैं। माहिरा फेस्टिवल के 'कम्युनिटी इम्पैक्ट' प्रोग्रामिंग का हिस्सा रही हैं और सिनेमा में उनके योगदान के लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया है।

माहिरा खान ने अपने इंटरनेशनल अपीयरेंस के दौरान फैंस के साथ अपनी प्रेग्नेंसी की खबर शेयर करने के लिए एक क्यूट सा पोस्ट का सहारा लिया। माहिरा की प्रेग्नेंसी की घोषणा किसी बड़े फोटोशूट या ग्रैंड सेटअप के साथ नहीं की गई। तस्वीर में वह व्हाइट कलर के लूज, फुल-स्लीव गाउन पहने हुए दिख रही हैं जो उनके बेबी बंप को कवर कर रहा है। कैमरे के लिए पोज देते हुए उन्होंने अपना एक हाथ पेट पर रखा है और उनका स्टाइल व ओवरऑल लुक काफी सिंपल है। एक्ट्रेस माहिरा खान ने तस्वीर के साथ लिखा, 'हम प्लान बनाते हैं और फिर अल्लाह का प्लान होता है।'

एक्ट्रेस माहिरा खान की प्रेग्नेंसी की खबर बिजनेसमैन सलीम करीम से शादी के लगभग तीन साल बाद आई है। इस कपल ने अक्टूबर 2023 में एक प्राइवेट वेडिंग सेरेमनी में शादी की थी। माहिरा खान और सलीम करीम का यह पहला बच्चा है। हालांकि, माहिरा की यह दूसरी प्रेग्नेंसी है। एक्ट्रेस पहले से ही 17 साल के बेटे अजलान की मां हैं, जो उनके पहले पति अली अस्करी से है।

माहिरा पाकिस्तान की सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में से एक है। उन्होंने टेलीविजन और फिल्मों में अपना करियर बनाया है। वह पाकिस्तानी ड्रामों से काफी लोकप्रिय हुई। '

16 साल के हुए अजय देवगन के लाडले, युग के बर्थडे पर मां काजोल ने लुटाया प्यार, लिखा प्यार भरा पोस्ट

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के स्टार कपल अजय देवगन और काजोल के लिए आज काफी स्पेशल दिन है। 16 साल पहले आज ही के दिन यानी 13 सितंबर को काजोल और अजय देवगन के बेटे युग का जन्म हुआ था। आज युग का सोलहवां जन्मदिन है, इस मौके पर काजोल और अजय देवगन ने अपने लाडले बेटे के साथ प्यारी सी तस्वीरें शेयर करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और उन पर प्यार लुटाया। काजोल ने जहां युग के साथ अपनी लेटेस्ट फोटो शेयर करते हुए प्यार भरा लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा है तो वहीं अजय देवगन ने एक थ्रोबैक फोटो शेयर करते हुए युग को बर्थडे विश किया।

काजोल ने बेटे युग के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह युग को गले लगाए हैं और युग प्यार से अपनी मम्मी यानी काजोल का माथा चूम रहे हैं। फोटो शेयर करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखा- 'स्वीट सिक्सटीन, यकीन नहीं होता कि तुम इतने बड़े हो गए... ये लगभग यकीन नहीं कर पाने वाला पल है। क्योंकि मैं जब भी तुम्हें देखती हूं, मुझे तुममें आज भी वही छोटा बच्चा नजर आता है। मुझे पता है कि अब तुम बड़े, लंबे और मजबूत हो गए हो, लेकिन मेरे लिए तुम हमेशा वैसे ही रहोगे.... आज छोटा युग और बड़ा युग... साथ है।

सेहत

गुनगुने पानी के साथ जामुन की गुठली का पाउडर खाने से क्या होता है?

आयुर्वेद में जामुन को एक बेहतरीन औषधि माना गया है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जितना फायदेमंद यह फल है, उससे कहीं ज्यादा गुणकारी इसकी गुठली होती है। अक्सर लोग जामुन खाकर उसकी गुठली फेंक देते हैं। लेकिन शायद आपको मालूम नहीं है कि जामुन की गुठली भी गुणों की खान है। इसकी गुठली का पाउडर सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ जामुन की गुठली का पाउडर खाना सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। ऐसे में यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि खाली पेट गुनगुने पानी के साथ जामुन की गुठली का पाउडर खाने से क्या होता है।

ब्लड शुगर कंट्रोल करने में रामबाण

जामुन की गुठली का सबसे बड़ा फायदा डायबिटीज के मरीजों को मिलता है। इसमें 'जाम्बोलिन' और 'जाम्बोसीन' नाम के तत्व पाए जाते हैं। यह तत्व शरीर में स्टार्च को शुगर में बदलने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ इसे लेने से इंसुलिन का प्रोडक्शन बढ़ता है और अचानक शुगर लेवल बढ़ने की समस्या कंट्रोल में रहती है।

पाचन तंत्र को करे दुरुस्त

अगर आप कब्ज, गैस, एसिडिटी या पेट फूलने जैसी समस्याओं से परेशान हैं, तो

जामुन की गुठली का पाउडर आपके लिए बेहद फायदेमंद है। इसमें प्रचुर मात्रा में डाइटरी फाइबर होते हैं, जो पेट को साफ करने और मल त्याग को आसान बनाने में मदद करते हैं। गुनगुना पानी इसके असर को दोगुना कर देता है, जिससे आंतों की सफाई अच्छे से होती है।

लिवर के लिए

जामुन की गुठली में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स लिवर के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह काम करते हैं। यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से लिवर के सेल्स मजबूत होते हैं और लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है।

ब्लड प्रेशर और दिल की सेहत के लिए

जामुन की गुठली के पाउडर में पोटैशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मददगार है। यह धमनियों में ब्लॉकेज को रोकने और बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायता करता है, जिससे दिल की सेहत बेहतर बनी रहती है।

वजन घटाने में मददगार

बढ़ते वजन से परेशान लोगों के लिए यह कॉम्बिनेशन काफी असरदार है। सुबह खाली पेट इसे पीने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है और शरीर में जमा अतिरिक्त चर्बी धीरे-धीरे बर्न होने लगती है। साथ ही, यह बार-बार लगने वाली भूख को भी शांत रखता है।

सेवन का सही तरीका

रोज सुबह खाली पेट आधा से एक छोटा चम्मच जामुन की गुठली का पाउडर लें और ऊपर से एक गिलास गुनगुना पानी पी लें। ध्यान रहे कि इसके आधे घंटे बाद तक कुछ न खाएं-पिएं। **(एजेंसी)।**

प्याज में कौन सा विटामिन पाया जाता है?

सब्जी बनाने में हम सभी रोजाना प्याज का इस्तेमाल करते हैं। ज्यादातर घरों में प्याज लहसुन का इस्तेमाल होता है। खाने में प्याज न सिर्फ स्वाद बढ़ाती है बल्कि शरीर को कई फायदे भी पहुंचाती है। गर्मी में कच्चा प्याज खाने से शरीर ठंडा रहता है। रोज प्याज खाने से लू लगने का खतरा कम होता है। इतना ही नहीं प्याज में एंटी फंगल, एंटी बैक्टीरियल और एंटी डायबिटिक गुण भी पाए जाते हैं। इसलिए डाइट में प्याज शामिल करना एक हेल्दी विकल्प है। आइये जानते हैं प्याज में कौन से विटामिन पाए जाते हैं और रोज प्याज खाने से क्या फायदे मिलते हैं?

यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर (USDA) की रिपोर्ट की मानें तो प्याज में विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन बी6, फोलेट, पोटेशियम, फाइबर, मैग्नीशियम, मैंगनीज, फ्लेवोनोइड्स, ग्लूटाथियोन, सेलेनियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जिससे ओवर ऑल हेल्थ को भरपूर पोषण मिलता है।

प्याज खाने के फायदे

सूजन घटाए- प्याज खाने से शरीर में सूजन कम होती है। इसमें विटामिन C और फ्लेवोनोइड्स जैसे एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। ये फ्री रेडिकल्स शरीर में कई बीमारियों का कारण बनते हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद- प्याज खाने से ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। प्याज में सल्फर और क्वेरसेटिन जैसे एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो खून में शुगर को बैलेंस करने और कोलेस्ट्रॉल घटाने में असरदार साबित होते हैं। इससे बीपी भी कम होता है।

आंतों के लिए फायदेमंद- रोजाना प्याज खाना आंतों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। प्याज में फाइबर भरपूर होता है, जिससे पाचन तंत्र बेहतर बनता है। प्याज में प्रोबायोटिक्स पाए जाते हैं जिससे आंतों में गुड बैक्टीरिया बढ़ते हैं और पाचन प्रक्रिया मजबूत बनती है।

सर्दी जुकाम दूर- रोजाना प्याज खाने से जुकाम, सर्दी, खांसी और गले की खराश कम होती है। प्याज में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण पाए जाते हैं जो बॉडी को हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस से बचाते हैं।

(एजेंसी)।

सेहत के लिए फायदेमंद है कच्चा लहसुन

कच्चे लहसुन की मदद से न केवल खाने के स्वाद को बढ़ाया जा सकता है बल्कि आपकी सेहत को भी काफी हद तक सुधारा जा सकता है। सही मात्रा में और सही तरीके से कच्चे लहसुन को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाएं और महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखें। आइए जानते हैं कि हर रोज सुबह-सुबह खाली पेट एक कच्ची लहसुन की कली को चबाने से आपको क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

हड्डियों को बनाए मजबूत

क्या आप अपनी बोन हेल्थ को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको अपने डेली डाइट प्लान में कच्चे लहसुन को शामिल कर लेना चाहिए। आप सुबह खाली पेट लहसुन की कली को छीलकर काट लीजिए या फिर कूट लीजिए और फिर इसे चबाने के बाद एक गिलास पानी पी लीजिए। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए हर रोज इस नियम को फॉलो करें।

कम हो सकता है दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए कच्चे लहसुन को कंज्यूम करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा कच्चे लहसुन में पाए जाने वाले पोषक तत्व कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम कर आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाने में भी मददगार साबित हो सकते हैं। अगर आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं, तो कच्चे लहसुन का सेवन करना शुरू कर दीजिए।

गट हेल्थ के लिए भी फायदेमंद

कच्चे लहसुन को गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। कच्चे लहसुन में पाए जाने वाले तत्व पेट से जुड़ी समस्याओं से बचाव करने में कारगर साबित हो सकते हैं। सही मात्रा में और सही तरीके से कच्चे लहसुन का सेवन करके इम्यूनिटी को बूस्ट किया जा सकता है यानी आप बार-बार बीमार पड़ने से भी बच सकते हैं।

डायबिटीज में कैसे खाना चाहिए करेला, जानिए करेले में ऐसा क्या होता है जिससे शुगर कम होता है?

डायबिटीज में करेला खाना फायदेमंद माना जाता है। करेला को इंग्लिश में बिटर गॉर्ड कहते हैं, जो ब्लड शुगर कम करने वाली सब्जी है। करेला खाने से शरीर के सेल्स को ग्लूकोज मांसपेशियों, लिवर और फैट तक आसानी से पहुंचाने में मदद मिलती है। करेला में लेक्टिन होते हैं, जो भूख को कंट्रोल करते हैं। इसलिए करेला को टाइप 2 डायबिटीज के मरीज के लिए अच्छा माना गया है। कई रिसर्च में पता चला है कि करेला ब्लड शुगर को कंट्रोल कर सकता है। आइये जानते हैं करेला में ऐसा क्या पाया जाता है जिससे डायबिटीज में फायदा मिलता है। डायबिटीज के मरीज को करेला कैसे खाना चाहिए, जिससे भरपूर फायदा मिले।

करेला में क्या होता है जिससे शुगर कम होता है?

आयुर्वेदिक डॉक्टर चंचल शर्मा के मुताबिक, करेला में ऐसे यौगिक पाए जाते हैं जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करते हैं। करेला में चारेंटिन, पॉलीपेप्टाइड-पी और वाइसिन सहित इन यौगिकों में हाइपोग्लाइसेमिक प्रभाव होते है, जिसका मतलब है ये रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं। करेला का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 18 से 30 के बीच होता है। इससे ब्लड शुगर स्पाइक कम करने में मदद मिलती है। करेला लो कैलोरी और लो कार्बोहाइड्रेट फूड है, जिससे वजन और शुगर दोनों कम होते हैं। करेला में विटामिन सी और फ्लेवोनोइड्स जैसे एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इससे डायबिटीज से जुड़े ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करने में मदद मिल सकती है।

डायबिटीज में करेला खाने के फायदे

करेले का नियमित सेवन मधुमेह वाले लोगों में बेहतर ग्लाइसेमिक नियंत्रण बनाए रखने में मदद करता है। यह भोजन के बाद रक्त शर्करा के स्पाइक्स को कम करने में मदद कर सकता है और रक्त शर्करा के स्तर के बेहतर प्रबंधन में योगदान कर सकता है।

डायबिटीज में कैसे खाएं करेला

करेले का जूस- शुगर कम करने के लिए करेला का जूस सबसे अच्छा माना जाता है। करेले को मिक्सी में डालकर पीस लें और उसका जूस निकाल लें।

सुबह खाली पेट करेले का जूस पीने से ब्लड शुगर नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

करेला स्टर-फ्राई- करेला को टुकड़ों में काटकर बहुत कम तेल में फ्राई कर लें। आप चाहें तो करेले के बीज हटा सकते हैं। करेले में प्याज डालकर इसे थोड़ी देर स्टर फ्राई करें। इसे रोटी के साथ खाएं। पसंदीदा मसाले फ्लेवर के लिए डाल दें।

करेले की भुजिया- करेले की सूखी सब्जी यानि करेले की भुजिया को कम तेल मसाले में बनाया जा सकता है। इसे आप दाल के साथ खा सकते हैं। ध्यान रखें तेल और मसालों की मात्रा आपको बहुत ज्यादा नहीं रखनी है।

भरवां करेला- कभी- कभी थोड़ा स्वाद के लिए भरवां करेला खा सकते हैं। लेकिन इसे बहुत कम तेल में बनाएं और बहुत सीमित मात्रा में ही खाएं। भरवां करेला में पोषक तत्व कम हो जाते हैं। इसलिए इससे ज्यादा फायदा नहीं मिलता।

करेला चिप्स और सूप- करेला और दूसरी सब्जियां डालकर करेले का सूप बनाकर पी सकते हैं। इसके अलावा करेले को पतला काटकर उन्हें एयर फ्रायर में फ्राई करके बहुत कम तेल में बना सकते हैं। इससे करेले के स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। **(एजेंसी)।**

मुख्यमंत्री ने बीजापुर के एकलव्य आवासीय विद्यालय में छात्राओं से दुर्व्यवहार की शिकायत पर लिया संज्ञान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों में अध्ययनरत बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट कहा है कि बच्चों की सुरक्षा और गरिमा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। दुर्व्यवहार, उत्पीड़न अथवा असुरक्षित वातावरण से संबंधित किसी भी शिकायत को पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ लेते हुए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आवासीय विद्यालय और छात्रावास बच्चों के लिए केवल अध्ययन के स्थान नहीं, बल्कि उनके घर की तरह हैं। माता-पिता अपने बच्चों को विश्वास के साथ इन संस्थानों में भेजते हैं। इस विश्वास की रक्षा करना शासन-प्रशासन और संस्थान से जुड़े प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी की जिम्मेदारी है। बच्चों को सुरक्षित, भयमुक्त और गरिमापूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना हर परिस्थिति में सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बीजापुर जिले के एकलव्य आवासीय विद्यालय में छात्राओं के साथ कथित दुर्व्यवहार संबंधी समाचार पर संज्ञान लेते हुए जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को मामले की गंभीरता से जांच कर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जांच में जो भी तथ्य सामने आएं, उनके आधार पर बिना किसी विलंब के विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। यदि किसी स्तर पर शिकायत की अनदेखी, उसे दबाने का प्रयास अथवा कर्तव्य में लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित जिम्मेदारों की जवाबदेही भी तय की जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस प्रकरण के संदर्भ में सभी जिलों को व्यापक सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि जिले में संचालित बालिका छात्रावासों, आश्रमों और आवासीय विद्यालयों का नियमित निरीक्षण किया जाए। कलेक्टर यह सुनिश्चित करें कि इन संस्थानों में सुरक्षा संबंधी निर्धारित व्यवस्थाओं और प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन हो रहा है।

छात्रावासों में अधीक्षकों एवं अन्य जिम्मेदार कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति, परिसर की सुरक्षा व्यवस्था तथा बच्चों की शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था की भी समीक्षा की जाए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बच्चों से जुड़ी शिकायतों के मामले में केवल शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई करने तक व्यवस्था सीमित नहीं रहनी चाहिए। नियमित निरीक्षण, सतत संवाद और प्रभावी निगरानी के माध्यम से ऐसी परिस्थितियों को पहले ही पहचानने और रोकने की व्यवस्था विकसित की जाए। विद्यालय एवं छात्रावास प्रबंधन को भी यह स्पष्ट रूप से बताया जाए कि बच्चों की सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की उदासीनता गंभीरता से ली जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया है कि बालिकाओं के साथ दुर्व्यवहार, उत्पीड़न अथवा उन्हें डराने-धमकाने जैसी किसी भी शिकायत की सूचना मिलने पर संबंधित विभाग और पुलिस प्रशासन आपसी समन्वय के साथ तत्काल कार्रवाई करें। आवश्यक होने पर पीड़ित छात्राओं को काउंसलिंग एवं अन्य जरूरी सहायता भी उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी बेटियां निर्भय होकर पढ़ें, आगे बढ़ें और अपने सपनों को पूरा करें, इसके लिए सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। प्रदेश के प्रत्येक आवासीय विद्यालय और छात्रावास में बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा सर्वोपरि है। इस दिशा में लापरवाही बरतने वाले किसी भी जिम्मेदार व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

ट्रैफिक संभालने उतरे पुलिस जवान, पीछे से चोरों ने पेट्रोलिंग गाड़ी से किया सामान पार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर में चोरों और बदमाशों के हौसले कितने बुलंद है इसका जीता जागता उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी से ही मोबाइल और नगदी पार कर लिया। यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है, जिसके आधार पर अब पुलिस शातिर चोरों की तलाश में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, पूरी घटना आजाद चौक साई मंदिर के सामने 10 सितंबर की बताई जा रही है। रायपुर कमिश्नरेट पश्चिम जोन के आजाद चौक थाना की पेट्रोलिंग वाहन से चोरों ने बेधड़क

खुलेआम चोरी की वारदात को अंजाम दिया है।

पेट्रोलिंग वाहन से हाथ साफ- बताया जा रहा है कि पूरे इलाके में ट्रैफिक का दबाव ज्यादा रहने के कारण पुलिस जवान रात करीबन 11 बजे गाड़ी को बीच सड़क में छोड़कर ट्रैफिक क्लियर कराने उतरे थे। इसी बीच शातिर चोरों ने मौका देखते ही पुलिस की ही पेट्रोलिंग वाहन से हाथ साफ कर दिया।

पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद-जानकारी मिली है कि चोरों ने पेट्रोलिंग वाहन से मोबाइल और 2-3 हजार नगदी के साथ गमछा पर हाथ साफ किया है। ये पूरी घटना मंदिर में ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

ऑनलाइन निवेश के नाम पर 23.50 लाख की ठगी, रोजाना 5 हजार मुनाफे का दिया था झांसा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में ऑनलाइन निवेश के नाम पर बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपी ने फेसबुक पर निवेश संबंधी विज्ञापन देखकर संपर्क करने वाले व्यक्ति को 20 हजार रुपये लगाने पर प्रतिदिन 5 हजार रुपये मुनाफा कमाने का झांसा दिया। इसके बाद अलग-अलग बैंक खातों में कुल 23 लाख 50 हजार रुपये जमा करा लिए। रकम वापस नहीं करने पर पीड़ित ने राजेंद्र नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अमलीडीह के शिवम विहार निवासी समीर सिंह ने फेसबुक पर ईसीएन ट्रेडिंग से संबंधित विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने के बाद आरोपी ने निवेश के बदले रोजाना मुनाफे का भरोसा दिलाया। उसके झांसे में आकर पीड़ित ने आरोपी द्वारा बताए गए अलग-अलग खातों में रकम जमा कराई। धीरे-धीरे कुल राशि 23.50 लाख रुपये तक पहुंच गई। इसके बाद आरोपी ने रकम वापस नहीं की और संपर्क से बचने लगा। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

वाहन चोरी का मामला दर्ज-कोतवाली थाना क्षेत्र में टैगोर नगर चौक के पास खड़ी एक्टिवा चोरी हो गई। पंचशील नगर निवासी राजू राम ने पुलिस को बताया कि उसकी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एमई 6850, जिसकी कीमत करीब 20 हजार रुपये है, अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

चाकू लेकर घूमते दो पकड़े-गुढियारी थाना पुलिस ने सीएसईबी गेट, कलिंग नगर के पास कार्रवाई करते हुए दिलीप कुमार (28) को अवैध चाकू के साथ पकड़ा।

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश का दौर जारी,जलाशयों में 91 फीसदी से ज्यादा पानी, 7 लबालब

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मौसम विभाग ने आज (13 सितंबर) प्रदेश के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया है। एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिर सकती है। अगले दो दिनों में भी कई हिस्सों में बारिश के आसार हैं। पिछले 24 घंटे में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। बस्तर, रायपुर और दुर्ग संभाग में कुछ जगह भारी, जबकि बस्तर और दुर्ग संभाग में एक-दो जगह बहुत भारी बारिश दर्ज की गई।

दक्षिण छत्तीसगढ़ में अतिभारी बारिश

पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश धनोरा में 140 मिमी और बस्तर में 100 मिमी दर्ज की गई है। इसके अलावा पखांजूर, नांगुर, कोंडागांव और अंतागढ़ में 90-90 मिमी पानी बरसा है। मानसून को प्रदेश में आए 82 दिन हो चुके हैं। 23 जून को दंतेवाड़ा के रास्ते प्रदेश में दाखिल हुए मानसून से अब तक अच्छी बारिश हुई है।

औसत से 4 प्रतिशत कम बारिश

12 सितंबर तक प्रदेश में कुल 1001 मिमी पानी बरस चुका है। यह इस अवधि के सामान्य औसत 1041.1 मिमी से केवल 4 प्रतिशत कम है। लगातार बारिश के कारण प्रदेश के बांधों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है।

बांधों में 91 प्रतिशत भराव, 7 लबालब

प्रदेश के 46 प्रमुख और मध्यम जलाशयों में औसत जलभराव 91.10 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इनमें से सात जलाशय पूरी तरह भर चुके हैं, जबकि 18 अन्य जलाशयों में 90 प्रतिशत से ज्यादा पानी भरा हुआ है। पानी बढऩे के कारण धमतरी के रविशंकर सागर समेत कई जलाशयों के गेट खोलने पड़े हैं।

रायपुर में आज बादल छाए रहेंगे

13 सितंबर को प्रदेश के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। राजधानी रायपुर में आज आसमान सामान्य रूप से बादलों से घिरा रहेगा और हल्की बारिश या बौछारें पड़ सकती हैं।

रायपुर में शनिवार को अधिकतम तापमान 30.9एष्ट रहा, जो सामान्य से 0.2एष्ट कम है। न्यूनतम तापमान 24.4एष्ट दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.2एष्ट कम रहा। सुबह 8:30 बजे तक 12 मिमी और शाम 5:30 बजे तक 4.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। आज (रविवार) भी गरज-चमक के साथ बौछारें पडऩे की संभावना है।

पीएम आवास के मुद्दे पर भाजपा ने कांग्रेस पर फिर पोस्टर के जरिए साधा निशाना

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पीएम आवास को लेकर छत्तीसगढ़ में सियासत जारी है. मुद्दे पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बीच बहस की तारीख को लेकर एक तरफ जहां तारीख का इंतजार किया जा रहा है, इस बीच भाजपा ने कांग्रेस या कहें भूपेश बघेल पर सोशल मीडिया में पोस्टर जारी कर फिर से हमला कर दिया है. छत्तीसगढ़ बीजेपी ने सोशल मीडिया में पीएम आवास को लेकर कांग्रेस पर या कहें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधा है. पोस्टर में कांग्रेस के कुशासन और भाजपा के सुशासन का

फर्क दिखाया गया है, जिसमें एक तरफ जहां पूर्व सीएम भूपेश बघेल के हाथ में आवास रद्द का पर्चा दिखाया जा रहा है, तो वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय हितग्राहियों को पीएम आवास की चाबी देते नजर आ रहे हैं. भाजपा ने पोस्टर से साथ लिखा है कि कांग्रेस सरकार के समय प्रदेश के जरूरतमंद परिवार मन के पक्का घर के हक ला छीन ले गे रिहिस, फेर आज सुशासन के सरकार म गरीब परिवार मन के सपना साकार होवत हे। माननीय मुख्यमंत्री श्री @vishnudsai जी के प्रयास ले प्रदेश ला 3.65 लाख अतिरिक्त पीएम आवास के स्वीकृति मिलिस। अब गांव-गांव म बनत हे पक्का घर, बढ़त हे रोजगार अउ मजबूत होवत हे परिवार मन के भविष्य। इही तो फर्क हे- कांग्रेस के कुशासन अउ भाजापा के सुशासन म।

बिना अनुमति सड़क खोदने पर बिफरे नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

रायपुर नगर निगम क्षेत्र में फाफाडीह मुख्य मार्ग और आसपास के मार्गों पर गैस पाइपलाइन डालने के लिए की जा रही खुदाई पर निगम में नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने आपत्ति जताई है. उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राजधानी रायपुर प्रयोगशाला बन गई है कि कोई भी बाहर से आए और प्रयोग करके चला जाए? उन्होंने निगम अधिकारियों से चर्चा कर कंपनी पर बड़ा जुर्माना लगाने की बात कही है. दरअसल, फाफाडीह मुख्य मार्ग और आसपास के मार्गों पर HCG प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए खुदाई की जा रही है. मनमाने तरीके से की जा रही खुदाई की स्थानीय निवासियों की शिकायत मिलने पर नेता प्रतिपक्ष

आकाश तिवारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. मौके पर पाया गया कि कंपनी के पास नगर निगम की कोई वैध अनुमति / आदेश नहीं है। यही नहीं 2 महीने से कार्य चल रहा है, लेकिन जिला प्रशासन और नगर निगम को भनक तक नहीं है.

इस पर नेता प्रतिपक्ष ने तत्काल नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा को फोन के माध्यम से वस्तुस्थिति से अवगत कराया और कार्य को तत्काल रुकवाने के साथ सड़क पर हुए बड़े-बड़े गड्ढों को बंद करवाने का निर्देश दिया. आकाश तिवारी ने कहा कि यह आम जनता के जीवन के साथ खिलवाड़ है. एक तरफ कहा जाता है विकास कार्यों के लिए पैसा नहीं है, दूसरी तरफ बनी-बनाई सड़कों को खोदकर बर्बाद किया जा रहा है, पीने की पाइपलाइन तोड़ी जा रही है.

नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने चेतावनी दी कि जिला प्रशासन और नगर निगम की यह अधूरी और नियम विरुद्ध रणनीति नहीं चलेगी. कंपनी को या तो कार्य बंद करना पड़ेगा या जिल प्रशासन नगर निगम के नियमों का पालन करना होगा. अगर आम जनता को परेशानी और निगम को नुकसान इसी तरह होता रहा तो कांग्रेस पार्टी इसका पुरजोर विरोध करेगी. इस दौरान मौके पर नेता प्रतिपक्ष के साथ पूर्व शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गिरीश दुबे, पूर्व एल्डरमैन सुनील भुवाल, कांग्रेस कमेटी के सुदीप होर सहित स्थानीय व्यापारी साथी उपस्थित थे.

ईडी रिमांड में लिए गए एडीएम को लेकर सीएम साय का बड़ा बयान

रायपुर. बहुचर्चित सीजीपीएससी घोटाला मामले में ईडी ने एडीएम चेतन बरघोरिया को गिरफ्तार किया है. मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में उन्हें कोर्ट ने 6 दिन की ईडी रिमांड पर भेजा गया है. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एडीएम की गिरफ्तारी पर रविवार (13 सितंबर) को बड़ा बयान दिया.सीएम साय ने अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को स्पष्ट करते हुए कहा कि हमारी सरकार में कोई भी अपराध करता है तो उसकी जांच होगी और उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी. किसी को बख्शा नहीं जाएगा.बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के एडिशनल कलेक्टर चेतन बरघोरिया को पूछताछ के बाद गिरफ्तारी कर लिया गया. ईडी ने एडीएम को विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया. कोर्ट में ईडी ने उत्कर्ष चंद्राकर और चेतन बरघोरिया के बीच वाट्सएप चैट मिलने का हवाला दिया गया. अदालत ने उन्हें 6 दिनों की ईडी रिमांड पर भेज दिया है.18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नई दिल्ली के भारत मंडपम में ब्रिक्स देशों के राष्ट्राध्यक्ष जुटे हैं.

गणेश विसर्जन झांकी को लेकर गणेश समितियां असमंजस में

न रूट की जानकारी, न DJ को लेकर स्पष्ट आदेश; बैठक कर औपचारिकता निभा रहा प्रशासन!

राजनांदगांव ■ दैनन्दिनी

गणेश उत्सव के बाद होने वाले विसर्जन को लेकर शहर की गणेश समितियों में अब भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। विसर्जन झांकी किस मार्ग से निकलेगी, कहां से प्रवेश और कहां से निकासी होगी, यातायात व्यवस्था कैसी रहेगी और डीजे को लेकर प्रशासन के क्या स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं—इन सवालों का ठोस जवाब समितियों को अब तक नहीं मिल पाया है। जिससे समितियों और DJ संचालको को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

बैठक हुई, लेकिन जमीन पर तैयारी कितनी?

विसर्जन झांकी को लेकर प्रशासन द्वारा बैठक जरूर की जा रही है, लेकिन समितियों का कहना है कि बैठकों के बाद भी कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्पष्टता नहीं है।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि यदि अंतिम समय तक रूट और नियमों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई तो बड़ी संख्या में निकलने वाली झांकियों और श्रद्धालुओं की भीड़ को कैसे नियंत्रित किया जाएगा?

DJ को लेकर भी संशय बरकरार

डीजे को लेकर भी गणेश समितियां स्पष्ट आदेश का इंतजार कर रही हैं। कितने डेसीबल तक ध्वनि की अनुमति होगी, समय सीमा क्या रहेगी और विसर्जन झांकी के दौरान किन नियमों का पालन करना होगा . इन तमाम मुद्दों पर स्पष्ट निर्देश सार्वजनिक नहीं होने से समितियों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

मैदान में अधिकारी कब उतरेंगे?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि प्रशासनिक अधिकारी केवल बैठक और कागजी निर्देशों तक सीमित रहेंगे या विसर्जन की वास्तविक तैयारियों का जायजा लेने मैदान में भी उतरेंगे? शहर के प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों और संभावित भीड़ वाले स्थानों का निरीक्षण कर यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ठोस कार्ययोजना कब सामने आएगी?

आखिरी समय में हड़बड़ी तो नहीं होगी?

गणेश समितियों का कहना है कि यदि प्रशासन को कोई नियम, रूट या प्रतिबंध लागू करना है तो इसकी जानकारी समय रहते स्पष्ट रूप से दी जानी चाहिए, ताकि समितियां उसी के अनुरूप अपनी तैयारियां कर सकें। अंतिम समय में अचानक आदेश जारी होने से विवाद और अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती है।

अब सवाल यह है कि प्रशासन विसर्जन झांकी को लेकर सिर्फ बैठक की औपचारिकता निभाएगा या समय रहते सड़क पर उतरकर व्यवस्था को जमीन पर भी सुनिश्चित करेगा?

चिरायु योजना बनी वरदान, गंभीर रीढ़ की बीमारी से जूझ रहे दुर्गा और मिथिलेश को मिला नया जीवन

राजनांदगांव ■ दैनन्दिनी

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले के दो बच्चों को गंभीर बीमारी से उबरकर स्वस्थ एवं सामान्य जीवन की ओर बढऩे का अवसर मिला है। चिरायु टीम राजनांदगांव के प्रयासों से 15 वर्षीय दुर्गा वर्मा और 18 वर्षीय मिथिलेश यादव का नारायणा अस्पताल में सफलतापूर्वक जटिल ऑपरेशन कराया गया। दोनों बच्चे रीढ़ की गंभीर विकृति से पीड़ित थे, जिसके कारण उनके सामान्य जीवन और दैनिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। दुर्गा वर्मा काइफोस्कोलिओसिस तथा मिथिलेश यादव लॉर्डो-काइफोस्कोलिओसिस जैसी गंभीर रीढ़ की विकृति से जूझ रहे थे। बीमारी के कारण उन्हें चलने-फिरने सहित रोजमर्रा के कार्यों में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। समय पर बीमारी की पहचान और उचित उपचार के लिए मार्गदर्शन मिलने से दोनों बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। दोनों बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान डॉ. कुसुम चंद्रा एवं डॉ. आयुष वतन शर्मा ने उनकी गंभीर स्वास्थ्य स्थिति को पहचाना। चिकित्सकों द्वारा तत्काल आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हुए बच्चों को विशेषज्ञ उपचार के लिए रेफर करने की प्रक्रिया शुरू की गई। समय पर बीमारी की पहचान होने से दोनों बच्चों के बेहतर उपचार की राह आसान हुई। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) अंतर्गत दोनों बच्चों को विशेषज्ञ उपचार के लिए नारायणा अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दोनों बच्चों की गंभीर एवं जटिल रीढ़ की विकृति का सफल ऑपरेशन किया गया। चिरायु टीम द्वारा बच्चों को उपचार उपलब्ध कराने से लेकर आवश्यक प्रक्रिया और अस्पताल संबंधी कार्रवाही में निरंतर सहयोग किया गया, जिससे उन्हें उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सकी। बच्चों के उपचार की पूरी प्रक्रिया में वैशाली साहू, शकुंतला साहू एवं किरण साहू का विशेष योगदान रहा। उन्होंने प्रारंभिक मार्गदर्शन, अस्पताल की आवश्यक कार्रवाई तथा उपचार के दौरान बच्चों और उनके परिजनों को निरंतर सहयोग प्रदान किया।

:- संपादकीय :-

सस्ते विकल्प की महंगी कीमत

एक समय देश में विशिष्ट खाद्य पदार्थ माने जाने वाले पनीर को लेकर आज गहराता अविश्वास चिंता की बात है। मुनाफे के लिये उपभोक्ता के विश्वास से खिलवाड़ का यह धंधा पूरे देश में खूब चल रहा है। दिल्ली में सामने आया नकली पनीर का मामला इसी कड़ी का एक हिस्सा है। निस्संदेह, ये मामले हमारी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की एक बड़ी कमजोरी को ही उजागर करते हैं। ये विडंबना ही है कि किसी उत्पाद की लागत, उसमें प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं और ग्राहक को इस बाबत दी जाने वाली जानकारी में अकसर विरोधाभास पाया जाता है। देश में एनालॉग पनीर की धड़ल्ले से बिक्री के पीछे भी मुनाफे का प्रलोभन ही है। जिसमें वेजिटेबल फैट,स्टार्च, प्लांट प्रोटीन और गैर डेयरी उत्पादों को मिलाया जाता है। दरअसल, यह पनीर, असली दूध वाले पनीर की तुलना में काफी सस्ता होता है और उत्पादकों के मुनाफे को बढ़ाता है। जानकारों का अनुमान है कि कीमतों का यह अंतर चालीस से पचास फीसदी तक हो सकता है। ऐसे में जब रेस्टोरेंट,कैटरर और खाने-पीने के दूसरे कारोबार कम मुनाफे पर करते हैं तो महंगे पनीर के जगह सस्ता पनीर इस्तेमाल करने का लालच होना एक स्वाभाविक बात है। दरअसल, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हर एनालॉग प्रोडक्ट वास्तव में खाने की दृष्टि से असुरक्षित ही होता है। वास्तव में मुख्य समस्या धोखा देने की है। यदि किसी डेयरी पदार्थों से मुक्त विकल्प की पहचान स्पष्ट तौर पर एनालॉग पनीर के तौर पर की जाती है, तो ग्राहक सोच-समझकर उसको खरीदने के बारे में फैसला स्वतंत्र रूप से ले सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात इसको लेकर ईमानदारी न होना है। जब विक्रेता इसे दूध का पनीर बताकर बेचने लगते हैं तो उपभोक्ता निर्णय नहीं ले पाते। ऐसे में असली पनीर वाली पौष्टिकता उन्हें नहीं मिल पाती। निर्विवाद रूप से इस मामले में रेस्टोरेंट सबसे कमजोर कड़ी के रूप में सामने आते हैं। जिनका मुख्य मकसद अपने मुनाफे को प्राथमिकता देना ही होता है।वास्तव में जब भी कोई रेस्टोरेंट अपने किचन में एनालॉग पनीर आदि का इस्तेमाल करना शुरू करता है और उससे कोई व्यंजन बना लेता है तो ग्राहक नहीं समझ पाता है कि असली पनीर है या नकली पनीर है। देश के खाद्य पदार्थों का नियमन करने वाली संस्था एफएसएसएआई ने फूड-सर्विस देने वाले संस्थानों को स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि पनीर वाली डिश में एनालॉग पनीर का इस्तेमाल ग्राहकों को सही जानकारी दिए बिना न किया जाए। इस विवाद के चलते देश के कई राज्यों ने कृत्रिम पनीर के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। पंजाब सरकार ने इसके बनाने, संग्रहण करने, ट्रांसपोर्ट करने, बांटने और पनीर के नाम पर बेचने पर एक साल के लिये रोक लगा दी है।

युवाओं को परिवर्तनकारी शक्ति मानते थे विवेकानंद

ललित गर्ग ।

वे चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएं, भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार, मौसम, रक्षा, कृषि, परिवहन, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है। ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेगा, उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो नवाचार को प्रोत्साहित करें, निजी उद्यमों को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराएं, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाएं तथा निवेशकों का विश्वास कायम रखें।

इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं, जो केवल इतिहास नहीं बनते, बल्कि इतिहास की दिशा ही बदल देते हैं। 11 सितंबर, 1893 को अमेरिका के शिकागो में आयोजित विश्व धर्म महासभा में स्वामी विवेकानंद का संबोधन ऐसा ही एक कालजयी क्षण था। आज 133 वर्ष बाद भी उस आवाज की गूंज इसलिए सुनाई देती है, क्योंकि वह किसी एक धर्म, देश या काल की आवाज नहीं थी, बल्कि समूची मानवता के लिए एकता, सहिष्णुता, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक उदात्तता का उद्घोष थी। जब युवा संन्यासी ने अपने संबोधन की शुरूआत मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों कहकर की, तो सभागार में देर तक गूंजती तालियों ने स्पष्ट कर दिया कि आत्मीयता की भाषा किसी अनुवाद की मोहताज नहीं होती। उस क्षण भारत अपनी हजारों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक चेतना के साथ विश्व के सामने उपस्थित था।विवेकानंद का शिकागो भाषण इसलिए असाधारण नहीं था कि उन्होंने हिंदू धर्म की श्रेष्ठता का दावा किया, बल्कि इसलिए कि उन्होंने धर्म को संकीर्ण पहचान की दीवारों से बाहर निकालकर मानव-कल्याण और सार्वभौमिक बंधुत्व के धरातल पर प्रतिष्ठित किया। उन्होंने भारत की उस आध्यात्मिक परंपरा को सामने रखा, जो विविधता को संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व का आधार मानती है। उनका संदेश स्पष्ट था कि मनुष्य की अंतिम मंजिल सत्य, करुणा और आत्मबोध ही है।आज जब दुनिया धार्मिक कट्टरता, युद्ध, असहिष्णुता और पहचान के संघर्षों से जूझ रही है, तब विवेकानंद का यह दृष्टिकोण और भी प्रासंगिक हो उठता है। 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में नरेंद्रनाथ दत्त के रूप में जन्मे विवेकानंद का जीवन असाधारण जिज्ञासा, संघर्ष और आत्मान्वेषण की यात्रा था। श्रीरामकृष्ण परमहंस के सान्निध्य ने उनकी चेतना को नई दिशा दी और आगे चलकर यही नरेंद्रनाथ विश्व के लिए स्वामी विवेकानंद बन गए। उन्होंने भारत को केवल उसके अतीत के गौरव में नहीं देखा, बल्कि उसके भविष्य की संभावनाओं को भी पहचाना। वे जानते थे कि जिस देश की आत्मा जागृत हो जाए, उसे लंबे समय तक पराधीन नहीं रखा जा सकता। इसलिए उनका सबसे बड़ा आह्वान था भारतीयों, विशेषकर युवाओं को अपनी अंतर्निहित शक्ति का बोध कराना।विवेकानंद के लिए युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी परिवर्तनकारी शक्ति था। वे चाहते थे कि युवा भय, हीनभावना और निष्क्रियता से बाहर आएं। उनका विश्वास था कि मनुष्य की सबसे बड़ी पराजय बाहरी परिस्थितियों से नहीं, स्वयं पर अविश्वास से होती है। इसलिए उन्होंने आत्मबल को राष्ट्र निर्माण की पहली शर्त माना। उनका प्रसिद्ध आह्वान ह्यउठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाएह्ल आज भी केवल प्रेरक वाक्य नहीं, बल्कि कर्म और संकल्प का घोष है। उनकी दृष्टि में शिक्षा का अर्थ केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं था। शिक्षा वह शक्ति है, जो व्यक्ति में चरित्र, विवेक, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी पैदा करे। वे ऐसे मनुष्य का निर्माण चाहते थे, जो अपने पैरों पर खड़ा हो सके, कठिन परिस्थितियों का सामना कर सके और दूसरों के जीवन में भी प्रकाश ला सके।विवेकानंद के लिए राष्ट्र निर्माण का अर्थ था गरीब, वंचित और कमजोर व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन देना, शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और युवाओं में सेवा तथा त्याग की भावना पैदा करना। विवेकानंद के चिंतन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष था आध्यात्मिकता और सेवा का समन्वय। वे उस आध्यात्मिकता के समर्थक नहीं थे, जो मनुष्य को समाज से काट दे। उनके लिए दरिद्र, पीड़ित और वंचित मनुष्य की सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना थी। यही विचार आगे चलकर रामकृष्ण मिशन की सेवा-परंपरा का आधार बना। 1 मई, 1897 को स्थापित रामकृष्ण मिशन ने शिक्षा, चिकित्सा, राहत और सामाजिक सेवा के माध्यम से उनके विचारों को व्यवहार में उतारा। 9 दिसंबर, 1898 को बेलूर मठ की स्थापना ने इस आध्यात्मिक-सामाजिक आंदोलन को स्थायी केंद्र प्रदान किया।शिकागो के मंच पर विवेकानंद ने भारत को विश्व को देने वाली जीवंत संस्कृति के रूप में प्रस्तुत किया। उनके भाषण ने पश्चिमी दुनिया का ध्यान भारतीय दर्शन, वेदांत, योग और आध्यात्मिक चिंतन की ओर आकर्षित किया। इससे भी महत्वपूर्ण यह था कि उन्होंने भारतवासियों के भीतर आत्मगौरव जगाया।

औपनिवेशिक शासन के दौर में जब भारतीय समाज के एक बड़े हिस्से में हीनभावना गहरी थी, तब विदेश की धरती से एक भारतीय संन्यासी की निर्भीक आवाज ने बताया कि भारत के पास विश्व को देने के लिए बहुत कुछ है। आज का भारत आर्थिक विकास, विज्ञान, तकनीक, स्टार्टअप, अंतरिक्ष और डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा है, लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति आर्थिक समृद्धि के बजाय उसके चरित्र, सामाजिक संवेदना, नैतिकता और नागरिक चेतना में निहित है। यही वह क्षेत्र है, जहां विवेकानंद आज भी हमारे सामने एक आईना रखते हैं।

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कारोबार से रिलेटेड कुछ परिवर्तन कर सकते हैं, जो आपको लॉन्ग टर्म में बेनिफिट देंगे। आज आप परिवार के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे और कुछ समय बिताएंगे, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आप ऑफिस में नए प्रोजेक्ट को लेकर स्टाफ के साथ डिस्कशन कर सकते हैं, जिससे आपको बेहतरीन सुझाव मिलेंगे। आज आप कोर्ट-कचहरी के मामलों में अपने दोस्त से मदद ले सकते हैं, जिससे सब जल्द ही सुलझ जाएगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आप पेंडिंग कार्यों को पूरा करने के साथ-साथ नए टारगेट भी बना लेंगे। आज आप दूसरों से उम्मीद करने के बजाय अपनी मेहनत और क्षमता पर विश्वास रखेंगे, तो काम सुचारू रूप से बनते जाएंगे। आज आप जीवनसाथी के साथ मूवी देखने की प्लानिंग करेंगे, जिससे आपसी रिश्ता मजबूत बनेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका आत्मविश्वास बरकरार रहेगा, जिसकी वजह से आपके अधिकतर काम निपट जाएंगे। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा और आप अपने सपनों को पूरा करने में सफल रहेंगे।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए खुशी से भरा रहेगा। आज आप पिता के साथ कारोबार में हाथ बटाएंगे, जिससे उन्हें बेहद खुशी मिलेगी। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे, जिससे आपका सामाजिक दायरा और सम्मान बढ़ेगा।

कन्या राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज अपने बिजनेस को बढ़ाने को लेकर किसी एक्सपर्ट की राय लेना आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे, जिससे आपकी सामाजिक छवि अच्छी बनेगी। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिनका लाभ उठाकर आप जीवन में आगे बढ़ सकते हैं।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक बना रहेगा। आज आप बिजनेस में अच्छा धन लाभ कमाएंगे और आपके व्यावसायिक रिश्ते मजबूत बनेंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा और संतान पक्ष से खुशखबरी मिलने की संभावना है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना है, आपके काम से बॉस बहुत खुश होंगे। आज आप बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताएं।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज इस राशि के टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े व्यक्तियों के लिए लाभ का दिन है, आपको बड़े ऑर्डर मिल सकते हैं। आज प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याओं में थोड़ी भागदौड़ के उपरांत काम बन जाएगा। आज आपके सगे-संबंधियों से अच्छे तालमेल बनेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक बना रहेगा। आज आप अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव कर सकते हैं, जिससे आपका काम ज्यादा प्रभावी और बेहतर आउटपुट देने वाला होगा। आज आप कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह अवश्य लें।

कुंभ राशिः आज का दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज आप बिजनेस में बड़ा लाभ कमाएंगे और आपके व्यापार की ग्रोथ बढ़ेगी। आज कुछ समय व्यावहारिक और प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ व्यतीत करने से आपके स्वभाव में पॉजिटिव बदलाव आएगा। आज आप अनुभवी तथा वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन और सलाह का उचित पालन करें।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रहेगा। आज आपको नौकरी के लिए किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ऑफर आ सकता है, जिससे आपकी तरक्की की राह आसान हो जाएगी। आज आप कुछ समय एकांत अथवा आध्यात्मिक स्थल पर जरूर व्यतीत करें, इससे आपका मन शांत होगा। आज आपके टूर एंड ट्रैवल्स संबंधी व्यवसाय में सुधार आएगा। आज ऑफिस में कार्यभार अधिक होने की वजह से ओवरटाइम करना पड़ सकता है।

सू- दोकू क्र.158

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.157 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

नजरिया | नीरज कुमार दुबे ।

सिंधु जल विवाद केस जीतकर भी दुखी पाक

सवाल है, परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने यदि पाकिस्तान के पक्ष में फैसला सुना भी दिया, तो उसे लागू कैसे करवाएगा? भारत ने कुछ ही घंटों में इस फैसले को खारिज कर दिया था।नीदरलैंड के हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय (परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन) द्वारा सिंधु जल विवाद के एकतरफा फैसले पर पाकिस्तान बल्ले-बल्ले, शाबाश-शाबाश करने लगा है। हेग स्थित ह्यपीसीएह्ल ने सोमवार को फैसला सुनाया है कि भारत एकतरफा तरीके से सिंधु जल संधि को सस्पेंड नहीं कर सकता। कोर्ट ने नई दिल्ली की उन सभी दलीलों को खारिज कर दिया है, जिनका इस्तेमाल उसने छह दशक पुराने जल-बंटवारे के समझौते को अप्रैल, 2025 से स्थगित रखने को सही ठहराने के लिए किया था।सोमवार को सुनाए गए सर्वसम्मत फैसले में पांच सदस्यीय कोर्ट ने पाया कि संधि ह्यपूरी तरह से लागू हैह्ल और भारत को इसके तहत अपनी जिम्मेदारियों का पालन करना होगा। इसमें पाकिस्तान की ओर बहने वाली नदियों पर पनबिजली परियोजनाओं के डिजाइन और संचालन से जुड़ी जिम्मेदारियां भी शामिल हैं। पहलगाम हमला 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू-कश्मीर के बैसारन घास के मैदानों में हुआ

था, जिसमें पाक-पोषित बंदूकधारियों ने बर्बरता से 26 लोगों की जान ले ली थी। बंदूकधारियों ने गोली दागने से पहले उनसे उनका धर्म पूछा था। इस नरसंहार के बाद, भारत ने कहा था कि वह संधि को तब तक सस्पेंड रखेगा, जब तक पाकिस्तान सीमा-पार आतंकवाद को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से खत्म नहीं कर देता।इस्लामाबाद इन आरोपों से इनकार करता है कि वह हमले के पीछे था। लेकिन माजी में दी उसकी धमकियों से कोई मानने को तैयार नहीं कि पहलगाम कांड में उसका हाथ नहीं रहा है। बहरहाल, पाकिस्तान द्वारा हेग में लाए गए सिंधु जल संधि मामले में भारत ने परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) के अधिकार क्षेत्र को मानने से इनकार कर दिया है।पाकिस्तान में जलविद्युत परियोजनाएं बनवाने वाला चीन इस पूरे मामले में चुप्पी साधे हुए है। माजी में चीन ने भी परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के एक ऐतिहासिक फैसले को खारिज कर दिया था, जो दक्षिण चीन सागर के विवाद पर फिलीपींस के पक्ष में आया था। ऐसा नहीं कि नीदरलैंड के हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय में भारत ने कोई केस लड़ा ही नहीं। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत अब तक 30 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मामलों का हिस्सा रहा है।मगर सवाल है, परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने यदि पाकिस्तान के पक्ष में फैसला सुना भी दिया, तो उसे लागू कैसे करवाएगा?

भारत ने कुछ ही घंटों में इस फैसले को खारिज कर दिया था। यह दिलचस्प है कि 1 सितंबर, 2026 को किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित 26वें शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ एक ही मंच पर मौजूद रहे, लेकिन दोनों में न बात हुई, न इस विषय पर कोई चर्चा।हालांकि, इस्लामाबाद में रहने वाले हाइड्रोलॉजी और जल संसाधन विशेषज्ञ हसन अब्बास इस बात से सहमत नहीं थे कि समझौते के टूटने से फिलहाल पाकिस्तान के लिए कोई तत्काल खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा, ह्यमुझे नहीं लगता कि अभी कोई बड़ा खतरा है। पश्चिमी नदियां भौगोलिक स्थिति की वजह से सुरक्षित हैं, न कि मुख्य रूप से संधि की वजह से।हसन अब्बास ने बताया कि चिनाब नदी पर भारत की स्टोरेज क्षमता लगभग 1 मिलियन एकड़-फीट (405,000 हेक्टेयर-फीट) है, जो पाकिस्तान की मौसमी सिंचाई की जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है।

उन्होंने कहा, अगर वे कहते हैं कि वे पानी नहीं बहने देंगे, तो वे खुद ही बाढ़ की चपेट में आ जाएंगे, क्योंकि भारत के बांध रन-ऑफ-रिवर हाइड्रोपावर प्लांट हैं, जिनमें पानी जमा करने की जगह बहुत कम होती है।

अब्बास ने कहा, एक बार जब उनके बांध भर जाते हैं, तो उनके पास पानी छोड़ने के अलावा कोई चारा नहीं बचता। लेकिन हाइड्रोलॉजी और जल संसाधन विशेषज्ञ हसन अब्बास ने पाकिस्तान के अपने जल प्रबंधन की भी आलोचना की।

विचार | एस. सुनील

वंदे मातरम को स्वीकार करने से भाग रही कांग्रेस

वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ भारतीयों की राष्ट्रवाद की भावनाओं को प्रतीकित करने का माध्यम है। यह भारत की नियति का एक सबसे सुंदर हिस्सा है। दुर्भाग्य से कांग्रेस पार्टी इस नियति को स्वीकार करने से भाग रही है। जिस पार्टी ने आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया, आजादी के 80वें वर्ष तक आते आते उसका इतना पतन हो गया कि उसने अपना ही इतिहास भुला दिया! आश्चर्य की बात यह है कि कांग्रेस इतिहास को 1937 से शुरू करना चाहती है। लेकिन वंदे मातरम का इतिहास तो 1875 से शुरू होता है, जब महान बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इसकी रचना की थी। इस गीत ने कई तरह के बदलाव देखे हैं। आजादी से पहले और आजादी के बाद की स्थितियां देखी हैं। अगर कांग्रेस इसे आजादी से पहले वाली स्थिति में ही रख कर देखना चाहती है तो यह उसकी समझ है। परंतु मौजूदा समय मुस्लिम लीग और मोहम्मद अली जिन्ना जैसे किसी नेता के दबाव में निर्णय का नहीं है।क्या कांग्रेस भूल गई कि 1896 के बाद से यह पूरा गीत कांग्रेस के अपने इतिहास का हिस्सा रहा है? स्वंय गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर ने 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए थे। 1896 से लेकर 1937 तक कांग्रेस के कम से कम सात राष्ट्रीय अध्यक्ष मुस्लिम थे और उन सबकी अध्यक्षता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए गए। किसी मुस्लिम अध्यक्ष ने इस आधार पर आपत्ति नहीं की थी कि इसमें हिंदू देवी, देवताओं का जिक्र है और इससे उनकी धार्मिक भावना आहत होती है। शुरूआत 1896 से ही होती है, जब मोहम्मद रहमतुल्ला एम सयानी कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे और तब के कलकत्ता अधिवेशन में पूरा वंदे मातरम गाया गया था। ऐसे ही 1913 में कराची अधिवेशन में नवाब सैयद मोहम्मद बहादुर कांग्रेस अध्यक्ष थे और पूरा वंदे मातरम गाया गया था। 1918 में उस समय के बॉम्बे में हुए विशेष कांग्रेस अधिवेशन में सैयद हसन इमाम कांग्रेस अध्यक्ष थे और वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए गए। 1921 में हकीम अजमल खां और 1923 में मोहम्मद अली जौहर कांग्रेस अध्यक्ष थे और तब भी पूरे वंदे मातरम का गायन हुआ था। उसके बाद मौलान अबुल कलाम आजाद और मुख्तार अहमद अंसारी के समय भी वंदे मातरम को लेकर विवाद नहीं हुआ।यह ऐतिहासिक तथ्य है कि मोहम्मद अली जिन्ना से पहले किसी मुस्लिम नेता ने धार्मिक भावना आहत होने के सवाल पर इस गीत का विरोध नहीं किया था।

एआई! लौटा दे मेरे बीते हुए दिन

आज बदलाव की इच्छा कायम है, बस परिस्थितियां बदल गई हैं। एआई के माध्यम से अस्सी के दशक में लौटने वाले गंजे सिर पर घने, मुलायम और काले बालों का सुख भोग रहे हैं।

सोशल मीडिया पर इन दिनों अस्सी के दशक में वापसी की होड़ मची हुई है। एआई के सहारे बूढ़े-बुढ़िया फिर से जवान बनने को मचल रहे हैं। लगता है, फिल्म दूर गगन की छांव में के गीत ह्यकोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन को सोशल मीडिया ने गंभीरता से ले लिया है। मित्रों और भाइयों से विलगाव तथा एआई से लगाव का यह अद्भुत नजारा इंस्टाग्राम और फेसबुक पर खूब दिखाई दे रहा है।इच्छाओं के बंधन में बंधे आदमजात की फितरत भी कमाल की होती है। सोशल मीडिया ऐप मदारी बनकर ट्रेंड के डमरू पर हमें बंदर की तरह नचाता है। कुछ वर्ष पहले एक ऐप के माध्यम से यह बताया जाता था कि आपकी मृत्यु कब और कैसे होगी। डेढ़ सौ वर्ष की उम्र तक जीने की भविष्यवाणी पाने वाले कई लोग 35-40 की उम्र में ही कोरोना की चपेट में आकर दुनिया से विदा हो गए। तकनीक की भविष्यवाणी भी कभी-कभी इतनी सटीक निकलती है कि भविष्य से पहले ही वर्तमान समाप्त हो जाता है।इसी तरह फेसऐप के दौर में चिरयुवा दिखने की चाह रखने वाले लोग अचानक 70-80 साल के बुजुर्ग बनने को व्याकुल हो गए थे। आज बदलाव की इच्छा कायम है, बस परिस्थितियां बदल गई हैं। एआई के माध्यम से अस्सी के दशक में लौटने वाले गंजे सिर पर घने, मुलायम और काले बालों का सुख भोग रहे हैं। चेहरे पर झुर्रियों का स्थायी पता बना चुके वयोवृद्ध फेसबुक उपभोक्ता बिना ब्यूटी पार्लर का शुल्क दिए त्वचा पर निखार ला रहे हैं। ओवरवेट बंदा अंडरएज दिखकर अपनी तस्वीरों पर शानदार, लाजवाब जैसी टिप्पणियां बटोर रहा है।बहरहाल, तकनीकी भागदौड़ और व्यस्तता के कारण भावनात्मक रूप से दूर होते मित्रों और रिश्तेदारों से मिलकर गपशप के माध्यम से पुरानी यादों और घटनाओं को फिर से जीने के आत्मीय सुख की बजाय हम सोशल मीडिया ऐप के जरिए आभासी सुख की तलाश में भटक रहे हैं। रिश्ते पास हों या दूर, एआई बस एक क्लिक में हमें हमारी जवानी के पास पहुंचा देता है।बहरहाल, अब अस्सी-नब्बे के दशक या अतीत में लौटने के लिए न पुरानी तस्वीरों का संदूक खोलना है, न पुराने दोस्तों को ढूंढ़ना है। बस एआई को आदेश दीजिए और तकनीकजीवी अपनी जवानी में हाज़िर!

शब्द सामर्थ्य - 158

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

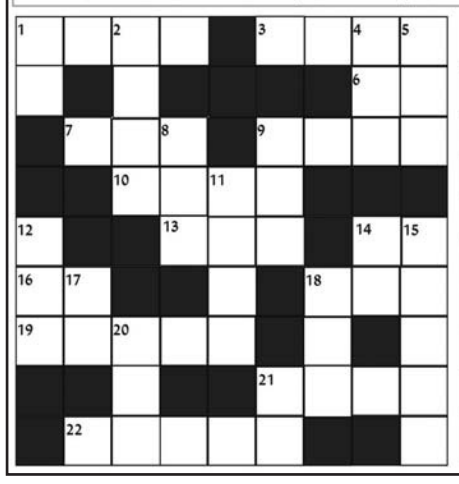

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 157 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

सिर्फ 5 हजार में नल कनेक्शन नियमित कराने की पहल को मिल रहा शहरवासियों का अच्छा प्रतिसाद

16 अगस्त से 15 अक्टूबर तक विशेष अभियान, आवासीय के लिए 5 हजार और व्यवसायिक के लिए 10 हजार एकमुश्त शुल्क

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा शहरवासियों की सुविधा और वर्षों से संचालित अवैध नल कनेक्शनों को विधिवत रिकॉर्ड में शामिल करने के उद्देश्य से शुरू किए गए विशेष नियमितीकरण अभियान को शहरवासियों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। नगर पालिका परिषद द्वारा दी गई इस बड़ी राहत के तहत अब आवासीय अवैध नल कनेक्शन को मात्र 5 हजार रुपये की एकमुश्त राशि जमा कर नियमित कराया जा सकता है जबकि व्यवसायिक कनेक्शन के लिए 10 हजार रुपये निर्धारित किए गए हैं।

परिषद की स्वीकृति के बाद 16 अगस्त से 15 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कम शुल्क में कनेक्शन नियमित कराने की सुविधा मिलने से ऐसे नागरिक, जिनके नल कनेक्शन लंबे समय से नगर पालिका के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं थे, अब आगे आकर अपने कनेक्शन को वैध कराने में रुचि दिखा रहे हैं। नगर पालिका की इस पहल को शहरवासियों द्वारा राहत देने वाला निर्णय बताया जा रहा है।

शहरवासियों को राहत देना परिषद की प्राथमिकता- चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि नगर पालिका परिषद का उद्देश्य शहरवासियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनकी पुरानी समस्याओं का समाधान करना है। नगर में वर्षों से संचालित ऐसे नल कनेक्शन, जो नगर पालिका के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हैं, उन्हें नियमित करने के लिए परिषद ने विशेष अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि सामान्य प्रक्रिया में लगने वाले शुल्क की तुलना में विशेष अभियान के दौरान कम राशि में कनेक्शन नियमित कराने की सुविधा दी गई है इससे नागरिकों को अपने नल कनेक्शन को विधिवत दर्ज कराने की सुविधा मिलेगी और नगर पालिका की जलापूर्ति एवं जलकर व्यवस्था भी अधिक व्यवस्थित होगी। नपा अध्यक्ष ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि 15 अक्टूबर की निर्धारित समय-सीमा के भीतर इस विशेष अवसर का लाभ उठाकर अपने नल कनेक्शन को नियमित कराएं।

15 अक्टूबर तक मिलेगा विशेष शुल्क का लाभ- सीएमओ नारायण साहू

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू ने बताया कि विशेष अभियान के तहत 16 अगस्त से 15 अक्टूबर 2026 तक आवासीय नल कनेक्शन के नियमितीकरण के लिए 5 हजार तथा व्यवसायिक नल कनेक्शन के लिए 10 हजार की एकमुश्त राशि निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य नागरिकों को सुविधा प्रदान करते हुए नगर पालिका क्षेत्र के सभी नल कनेक्शनों को विधिवत रिकॉर्ड में शामिल करना और जलकर वसूली व्यवस्था को व्यवस्थित करना है। निर्धारित समय सीमा के बाद नियमितीकरण कराने पर परिषद द्वारा निर्धारित राशि का दोगुना शुल्क देय होगा।

इन दस्तावेजों के साथ करें आवेदन

नल कनेक्शन नियमितीकरण के लिए आवेदक को आधार कार्ड, राशन कार्ड, स्वामित्व संबंधी दस्तावेज जैसे संपत्तिकर/समेकित कर रसीद, पट्टा, स्टाम्प आदि तथा 50 के स्टाम्प पेपर पर निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत करना होगा। आवेदन नगर पालिका कार्यालय के कक्ष क्रमांक 22 में जमा कर निर्धारित एकमुश्त राशि का भुगतान किया जा सकता है।

समय-सीमा से पहले नियमितीकरण कराने की अपील

नगर पालिका परिषद ने शहरवासियों से अपील की है कि वे विशेष अभियान का लाभ उठाते हुए 15 अक्टूबर 2026 से पहले अपने अवैध नल कनेक्शन को नियमित करा लें। नगर पालिका की इस पहल से नागरिकों को कम शुल्क में अपने कनेक्शन को वैध कराने का अवसर मिल रहा है भविष्य में होने वाली अतिरिक्त शुल्क से भी बचा जा सकेगा।

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना ने राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया कीर्तिमान

लगातार दो पेराई सत्रों के लिए मिला नेशनल को ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन का सर्वोच्च शुगर रिकवरी एफिशिएंसी अवार्ड

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। कारखाने को पेराई सत्र 2024-25 एवं 2025-26, दोनों वर्षों के लिए सर्वोच्च शुगर रिकवरी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु "हाइएस्ट शुगर रिकवरी एफिशिएंसी अवार्ड" के लिए चयनित किया गया है।

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार नेशनल को-ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया जाएगा। लगातार दो पेराई सत्रों के लिए यह सम्मान प्राप्त होना कारखाने की तकनीकी दक्षता, बेहतर संचालन व्यवस्था और उत्कृष्ट शुगर रिकवरी का प्रमाण है। इस उपलब्धि से कारखाने के साथ-साथ जिले और प्रदेश को भी राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान मिली है। दोनों पेराई सत्रों के पुरस्कार 22 सितम्बर को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किए जाएंगे। समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल, विभिन्न राज्यों के मंत्री, निदेशक, वरिष्ठ अधिकारी तथा देशभर की सहकारी चीनी मिलों के प्रतिनिधियों के भी समारोह में शामिल होने की संभावना है। नेशनल को-ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन देश की लगभग 260 सहकारी चीनी मिलों और नौ राज्यस्तरीय चीनी महासंघों का प्रतिनिधित्व करता है। फेडरेशन द्वारा प्रतिवर्ष गन्ना विकास, तकनीकी दक्षता, वित्तीय प्रबंधन, शुगर रिकवरी, डिस्टिलरी संचालन, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व तथा मिल के समग्र प्रदर्शन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सहकारी चीनी मिलों को सम्मानित किया जाता है।

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना द्वारा लगातार दो वर्षों तक सर्वोच्च शुगर रिकवरी की श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस सफलता में क्षेत्र के अंशधारी कृषकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण गन्ने की आपूर्ति तथा कारखाने के कर्मचारियों की मेहनत, तकनीकी दक्षता और समर्पित कार्यप्रणाली का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कारखाने की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों, समस्त अंशधारी कृषकों एवं कर्मचारियों में हर्ष का वातावरण है।

रसोइया मानदेय के लिए 68.85 करोड़ रूपए की राशि जारी

रायपुर । प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण के तहत एसएनए स्पर्श में वित्तीय वर्ष 2026-27 के रसोइया मानदेय के लिए लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा द्वितीय किश्त के रूप में 68 करोड़ 85 लाख 28 हजार रूपए की राशि जारी की गई है। वित्त नियंत्रक लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा प्रदेश के सभी 33 जिलों को उक्त पुनर्बंटित राशि का भुगतान एसएनए स्पर्श पोर्टल के माध्यम से ही किए जाने का आदेश दिया गया है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया रियायती दर पर शक्कर वितरण का शुभारंभ

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। हरितालिका तीज और गणेश चतुर्थी के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा में अंशधारी किसानों के लिए रियायती दर पर शक्कर वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम भी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

इस योजना के अंतर्गत कारखाने के अंशधारी किसानों को त्योहारी सीजन में मात्र 30 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर 50 kg शक्कर उपलब्ध कराई जाएगी। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने द्वारा अंशधारी किसानों को रियायती दर पर शक्कर उपलब्ध कराने का यह लगातार तीसरा वर्ष है।

कारखाने में पिछले वर्ष लगभग पांच हजार नए किसानों ने गन्ने की आपूर्ति की थी। इन किसानों को भी इस वर्ष रियायती शक्कर वितरण योजना का लाभ मिलेगा। इस प्रकार कारखाने से जुड़े कुल 28 हजार से अधिक अंशधारी किसान योजना से लाभान्वित होंगे।

वर्तमान में बाजार में शक्कर की कीमत अपेक्षाकृत अधिक होने के कारण 30 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर किसानों के लिए बड़ी राहत है। तीज और गणेश चतुर्थी जैसे प्रमुख त्योहारों के समय सस्ती दर पर शक्कर उपलब्ध होने से अंशधारी गन्ना किसानों और उनके परिवारों में हर्ष का वातावरण है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने के योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा कि कारखाना किसानों की आर्थिक समृद्धि के साथ ही क्षेत्र में रोजगार और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के गन्ना किसानों से आगामी पेराई सत्र में अधिक से अधिक गन्ना भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा को प्रदाय करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसानों की सक्रिय भागीदारी से कारखाने की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

रियायती शक्कर वितरण कार्यक्रम किसानों के प्रति शासन की संवेदनशीलता और कृषक कल्याण की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। इस पहल से हजारों किसान परिवारों को त्योहारी अवसर पर प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

कक्षा से मोबाइल स्क्रीन तक पहुँची कामठी स्कूल की पढ़ाई, हर रविवार ऑनलाइन टेस्ट की पहल

पंडरिया/कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। पंडरिया। डिजिटल दौर में विद्यार्थियों को पढ़ाई से लगातार जोड़े रखने के उद्देश्य से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कामठी में एक नई पहल 'साप्ताहिक ऑनलाइन टेस्ट' का शुभारंभ आज विद्यालय प्राचार्य श्रीमती हेमलता टंडन द्वारा आनलाइन मोड में किया। इसके तहत प्रत्येक रविवार विद्यार्थियों को विषय आधारित ऑनलाइन टेस्ट दिया जाएगा।यह पहल व्याख्याता तुलस द्वारा किया गया है

पहले रविवार इस नवाचार के शुभारंभ में कक्षा ग्यारहवीं व 12वीं रसायन शास्त्र के वस्तुनिष्ठ संबंधी 20-20 प्रश्न के साथ विद्यार्थियों ने ऑनलाइन टेस्ट में उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस नवाचार की शुरुआत की। मोबाइल के माध्यम से होने वाले इस टेस्ट से विद्यार्थियों को अपनी साप्ताहिक तैयारी परखने, अपनी कमियों को पहचानने और नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित होने का अवसर मिलेगा।

व्याख्याता तुलस राम चंद्राकर का कहना है कि जब विद्यार्थी डिजिटल माध्यम से जुड़े हैं, तो उसी तकनीक को पढ़ाई और आत्ममूल्यांकन का माध्यम बनाना समय की आवश्यकता है। इस पहल का उद्देश्य मोबाइल के उपयोग को रचनात्मक दिशा देकर विद्यार्थियों में नियमित अध्ययन और सीखने की आदत विकसित करना है।

इंजीनियर डे पर उत्कृष्ट अभियंताओं का सम्मान, यूनियन ने आयोजन को दिया अंतिम रूप

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। इंजीनियर डे के अवसर पर छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन द्वारा आयोजित किए जाने वाले सम्मान समारोह की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। आयोजन को लेकर हुई आवश्यक बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप देते हुए व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां अलग-अलग समितियों को सौंपी गईं।

25 से 30 सितंबर के बीच प्रस्तावित समारोह में जिले के विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उप अभियंता, सहायक अभियंता और कार्यपालन अभियंताओं को सम्मानित किया जाएगा।

बैठक में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष भुवन पटेल, प्रदेश सचिव विकास शुक्ला, जिला अध्यक्ष श्याम टंडन, कार्यक्रम संयोजक पी. डी. मानिकपुरी, कोषाध्यक्ष रविन्द्र शुक्ला, लोहारा ब्लॉक अध्यक्ष उमेश छेदावी, जिला कोषाध्यक्ष गुरदीप सलूजा लोहारा ब्लॉक सचिव तोरण छेदावी कोषाध्यक्ष राजा श्रीवास्तव सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी और साथी मौजूद रहे।

बैठक में आयोजन की सफलता को लेकर जिम्मेदारियों का स्पष्ट विभाजन किया गया। अतिथि चयन, मंच व्यवस्था, स्वागत व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए समितियां गठित कर सदस्यों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए हैं। संगठन ने कार्यक्रम को महज औपचारिक आयोजन तक सीमित रखने के बजाय जिले में उल्लेखनीय कार्य करने वाले अभियंताओं को मंच प्रदान करने की दिशा में तैयारी शुरू की है।

यूनियन के अनुसार, जिले में सड़क, भवन, सिंचाई, बिजली, ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं को धरातल पर उतारने में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

तकनीकी दक्षता और जिम्मेदारी के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले अभियंताओं का सम्मान उनके कार्य को प्रोत्साहन देने के साथ अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए भी प्रेरक संदेश होगा।

समितियों को सौंपी जिम्मेदारी, आयोजन की तैयारियां तेज

बैठक में कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक पक्ष पर चर्चा की गई। अतिथियों के चयन से लेकर मंच संचालन, स्वागत और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अलग-अलग जिम्मेदारियां तय की गई हैं। पदाधिकारियों ने संबंधित सदस्यों को अपने दायित्वों का समयबद्ध तरीके से निर्वहन करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के लिए जिले के विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अभियंताओं के चयन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। उप अभियंता से लेकर सहायक अभियंता और कार्यपालन अभियंता स्तर तक उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित करने की तैयारी है।

यूनियन पदाधिकारियों का कहना है कि अभियंताओं के योगदान को सामने लाना और उनके बेहतर कार्य को सार्वजनिक रूप से सम्मान देना इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम को गरिमापूर्ण और व्यवस्थित स्वरूप देने के लिए संगठन स्तर पर जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं। 25 से 30 सितंबर के बीच होने वाले इस आयोजन को लेकर अब तैयारियों ने गति पकड़ ली है।

बैठक में तय की गई जिम्मेदारियों के बाद संगठन के पदाधिकारी और सदस्य कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटेंगे।

बोर से पानी लेने से रोका तो डंडे से पीटा

महासमुंद। बसना थाना क्षेत्र में खेत से बोर का पानी लेने से रोकने पर मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है ग्राम परसकोल निवासी हितेश साहू ने पुलिस को बताया कि उसका खेत ग्राम बिछिया की सीमा में है, जहां बोर लगा हुआ है। 8 सितंबर की शाम वह खेत में लगी धान की फसल देखने गया था। इसी दौरान उसके खेत से लगे जुगल बुड़ेक के खेत में ग्राम बिछिया निवासी भोजराज बुड़ेक काम कर रहा था और हितेश के खेत के बोर से बिना अनुमति पानी ले रहा था। हितेश ने उसे पानी लेने से मना किया। इस पर भोजराज ने गाली-गलौज करते हुए डंडे से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर बसना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 296 और 351(3) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने पंडरिया में विकास कार्यों और योजनाओं का लिया जायजा

नगर पालिका, जनपद पंचायत, मिनी स्टेडियम, महिला चौपाटी और मनरेगा शाखा का किया निरीक्षण

-विकाश शुक्ला

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने शनिवार को पंडरिया क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न शासकीय कार्यालयों, निर्माणाधीन विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर पालिका कार्यालय, मिनी स्टेडियम, महिला चौपाटी, जनपद पंचायत कार्यालय एवं मनरेगा शाखा का निरीक्षण कर अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति और कार्यों की स्थिति की जानकारी ली।

कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे। निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं तथा आम नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता और संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाए। इस दौरान पंडरिया जनपद अध्यक्ष श्रीमती नंदनी साहू सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका में योजनाओं की समीक्षा, नागरिकों की सुनी समस्याएं

नगर पालिका कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति एवं कार्यालयीन व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान कार्यालय पहुंचे नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और आवेदन सुने। वार्ड क्रमांक-2 के पट्टा संबंधी आवेदन पर उन्होंने सीएमओ को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मिनी स्टेडियम के निर्माण में गुणवत्ता पर विशेष जोर

कलेक्टर ने लगभग 1 करोड़ 91 लाख रुपए की लागत से निर्माणाधीन मिनी स्टेडियम का निरीक्षण किया। उन्होंने क्रिकेट मैदान, नाली, फेसिंग, पेवेलियन, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल एवं इंडोर बैडमिंटन कोर्ट सहित प्रस्तावित सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता और निर्धारित मापदंडों का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए।

मिनी स्टेडियम परिसर के समीप आंगनबाड़ी केंद्र के पास जलभराव की स्थिति को देखते हुए उन्होंने तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद कलेक्टर ने लगभग 31 लाख रुपए की लागत से निर्मित महिला चौपाटी का भी निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

पेंशन प्रकरणों की समीक्षा, आधार लिंक कर तत्काल लाभ देने के निर्देश

जनपद पंचायत कार्यालय में कलेक्टर ने 143 ग्राम पंचायतों, सचिवों एवं करारोपण अधिकारियों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित विभिन्न पेंशन योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और हितग्राहियों से सीधे संवाद किया।

निरीक्षण के दौरान आधार लिंक नहीं होने के कारण पेंशन से वंचित एक हितग्राही का प्रकरण सामने आने पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को तत्काल आधार लिंक की प्रक्रिया पूरी कर पात्र हितग्राही को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद पंचायत परिसर में शासन की योजनाओं की जानकारी बैनर एवं सूचना पट के माध्यम से प्रमुखता से प्रदर्शित करने को भी कहा, ताकि ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी आसानी से मिल सके।

सामान्य सभा की बैठक में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर जताई नाराजगी

निरीक्षण के दौरान सामान्य सभा की बैठकों में संबंधित अधिकारियों की अनुपस्थिति की शिकायत भी कलेक्टर के समक्ष पहुंची। इस पर उन्होंने गंभीर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि सामान्य सभा की बैठकों में संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए।

मनरेगा कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश

कलेक्टर ने जनपद पंचायत की मनरेगा शाखा का निरीक्षण कर स्वीकृत एवं संचालित कार्यों, उनकी प्रगति तथा ग्रामीणों को उपलब्ध कराए जा रहे रोजगार की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को मनरेगा के कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने, कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और पात्र ग्रामीणों को समय पर रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने कहा कि शासन की योजनाओं और विकास कार्यों का वास्तविक लाभ आम नागरिकों तक पहुंचना चाहिए। अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें तथा कार्यालय में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करें।

वनडे सीरीज से पहले साउथ अफ्रीका को लगा झटका, 33 साल का गेंदबाज हुआ बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 3 टेस्ट और 3 वनडे के लिए इस महीने में साउथ अफ्रीका का दौरा करेगी। 24 सितंबर को पहला वनडे मैच खेला जाएगा और इस सीरीज की शुरुआत से पहले साउथ अफ्रीका की टीम को बड़ा झटका लगा है। अफ्रीकी टीम के 33 वर्षीय तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन इस वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। साथ ही में साउथ अफ्रीका के सेलेक्टर्स ने उनके रिप्लेसमेंट का भी ऐलान कर दिया है। बार्टमैन की जगह अब डुआन जेनसेन को टीम में शामिल किया गया है।

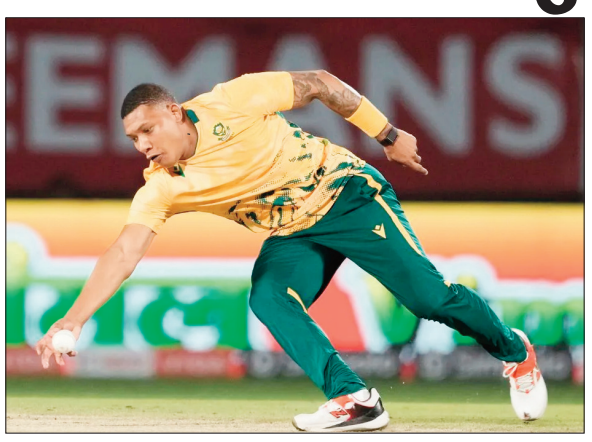

डोमेस्टिक फर्स्ट क्लास मैच के दौरान बार्टमैन के बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इस मैच में वह डॉल्फिन्स टीम की तरफ से सिर्फ 5 ओवर ही गेंदबाजी कर पाए थे और दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने भी नहीं उतर सके। डॉक्टर्स उनकी चोट की जांच कर रहे हैं, जिसके बाद ही यह साफ हो पाएगा कि उन्हें मैदान पर लौटने और पूरी तरह ठीक होने में कितना समय लगेगा।

कगिसो रबाडा भी हो चुके हैं वनडे सीरीज से बाहर

साउथ अफ्रीका की टीम के लिए यह लगातार दूसरा झटका है क्योंकि ऑटनील बार्टमैन से पहले उनके प्रमुख तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा भी पैर में हैमस्ट्रिंग की चोट की वजह से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट बोर्ड ने अभी यह नहीं बताया है कि रबाडा को ठीक होने में कितना समय लगेगा और 9 अक्टूबर से शुरू होने वाली 3 टेस्ट मैचों की सीरीज में वह खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला मैच पास आने पर ही होगा। बार्टमैन को भी टेस्ट टीम में शामिल किया जा सकता था। लेकिन अब चोटिल होने के बाद वह इस सीरीज में खेल पाएंगे या नहीं यह कह पाना मुश्किल है।

डुआन जेनसेन अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले 3 वनडे मैचों की सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका की टीम में शामिल होंगे, जहां उनके भाई मार्को जेनसेन भी मौजूद हैं। मार्को ने उसी मैच में 7 विकेट लिए थे, जिसमें ओटनील बार्टमैन चोटिल हुए थे। डुआन जेनसेन हाल ही में नामीबिया, जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के बीच हुई टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे और उन्होंने दो वनडे मैचों में भी 5 विकेट हासिल किए हैं। रविवार को होने वाले तीसरे मैच के लिए उन्हें आराम दिया गया है।

हरमनप्रीत से नो-हैंडशेक विवाद के बाद निगार सुल्ताना की बढ़ीं मुश्किलें, बोर्ड ने भी झाड़ा पल्ला

मुंबई (एजेंसी)। वुमेंस एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत और बांग्लादेश के मैच से पहले एक अजीब घटना देखने को मिली। टॉस खत्म होने के बाद बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना ने भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर से हाथ मिलाने से मना कर दिया। हालांकि उन्होंने ऐसा क्यों किया इसकी सही वजह अभी सामने नहीं आई है। इस विवाद पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने पल्ला झाड़ते हुए कहा है कि हाथ न मिलाने की सलाह बोर्ड ने नहीं दी थी, बल्कि यह पूरी तरह से कप्तान निगार सुल्ताना का अपना व्यक्तिगत फैसला था।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) की महिला समिति के अध्यक्ष रफीकुल इस्लाम बाबू ने यह साफ कर दिया है कि भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर से हाथ न मिलाने का फैसला पूरी तरह से निगार सुल्ताना का अपना था। बोर्ड की तरफ से उन्हें ऐसा करने के लिए कोई आदेश या सलाह नहीं दी गई थी। उनका कहना है कि खेल लोगों को आपस में जोड़ने का काम करता है और बोर्ड भारत समेत सभी देशों के साथ अच्छे रिश्ते बनाए रखना चाहता है।

रफीकुल इस्लाम बाबू ने कहा कि उनका मानना है कि खेल देशों और लोगों को करीब लाने का काम करता है। उन्होंने कहा कि BCB सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि सभी देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते चाहता है। उन्होंने कहा कि यह उनका अपना फैसला था। हम मानते हैं कि खेल दुनिया को एक साथ लाता है। हम सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि सभी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। इसलिए उन्होंने जो किया, वह पूरी तरह उनका निजी फैसला था।

भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए पहले सेमीफाइनल मैच की बात करें तो वहां टीम इंडिया ने 40 रनों से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की की। उस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 149 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने 44 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली। उनके अलावा भारतीय बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया।

150 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 109 रन ही बना सकी। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए।

इस तरह भारतीय टीम ने 40 रन से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ बांग्लादेश का महिला एशिया कप में सफर एक बार फिर सेमीफाइनल में खत्म हो गया। टीम ने 2018 में पहली बार एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था।

इंग्लैंड में 138 साल बाद फिर बना ये अनोखा रिकॉर्ड टेस्ट सीरीज में शतक के लिए तरसे बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच 2026 की टेस्ट सीरीज सिर्फ पाकिस्तान के 3-0 से क्लीन स्वीप के लिए याद नहीं रखी जाएगी। इस सीरीज में 100 साल से भी ज्यादा पुराना एक अनोखा रिकॉर्ड भी दोहराया गया। आपको जानकर हैरानी होगी कि तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में एक भी बल्लेबाज शतक नहीं बना सका।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-0 से जीत दर्ज की। जो रूट की कप्तानी में खेली गई इस सीरीज में इंग्लैंड का दबदबा रहा, लेकिन बल्लेबाजों के लिए यह मुकाबला कुछ खास नहीं रहा। तीनों टेस्ट में कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं लगा सका। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने के सचिन तेंदुलकर के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ने वाले जो रूट भी इस सीरीज में शतक नहीं लगा सके। उन्होंने पांच पारियों में सिर्फ दो अर्धशतक बनाए। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली सीरीज में भी रूट के बल्ले से शतक नहीं निकला था।

पाकिस्तान के बल्लेबाजों का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। टीम ने 6 में से पांच पारियों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया। हालांकि, पाकिस्तान के गेंदबाजों ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को भी बड़ी पारी खेलने का मौका नहीं दिया। इंग्लैंड की टीम ने सीरीज में पांच बार बल्लेबाजी की, लेकिन सिर्फ एक बार उसका कोई बल्लेबाज 80 रन का आंकड़ा पार कर सका। पहले टेस्ट की पहली पारी में हैरी ब्रूक ने 91 रन बनाए, जो सीरीज में इंग्लैंड की ओर से सबसे बड़ी पारी रही।

सीरीज के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड पाकिस्तान के सऊद शकील के नाम रहा। लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में उन्होंने 97 रन की शानदार पारी खेली। शकील महज तीन रन से शतक से चूक गए, लेकिन उनकी इस पारी ने एक खास रिकॉर्ड जरूर बना दिया। वह लॉर्ड्स में टेस्ट मैच की चौथी पारी में किसी पाकिस्तानी बल्लेबाज का सबसे बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहे।

माइक हेसन बनेंगे पाकिस्तान टेस्ट टीम के हेड कोच?

इंग्लैंड से क्लीन स्वीप होने के बाद दिया बड़ा बयान

चेन्नई (एजेंसी)। माइक हेसन अब पाकिस्तान की टेस्ट टीम के नए हेड कोच बन सकते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में हुई टेस्ट सीरीज के दौरान उन्हें अचानक टीम की जिम्मेदारी दी गई थी। अब हेसन ने साफ कहा है कि अगर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) उन्हें आगे भी टेस्ट टीम का फुल-टाइम कोच बनाने का ऑफर देता है, तो वह इस काम को करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान को 3-0 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था। माइक हेसन का कहना है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट बहुत पसंद है और पाकिस्तान के खिलाड़ियों में बहुत टैलेंट है। अगर इन खिलाड़ियों को सही दिशा और अच्छी सलाह मिले, तो टीम काफी बेहतर हो सकती है। हालांकि हेसन ने यह भी साफ कर दिया कि इसमें थोड़ा समय लगेगा और एक-दो मैचों में चमत्कार की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में मिली करारी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने बड़ा फैसला लेते हुए टीम में भारी फेरबदल किया था। बोर्ड ने सात खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता दिखाकर उनकी जगह नए खिलाड़ियों को मौका दिया। इसके साथ ही कोचिंग स्टाफ में भी बड़ा बदलाव किया गया और सरफराज अहमद व उमर गुल को उनके पदों से हटा दिया गया। वहीं माइक हेसन को आखिरी टेस्ट के लिए कोचिंग की जिम्मेदारी दी गई थी। हेसन ने स्पष्ट किया है कि टेस्ट टीम के साथ अपनी अगली भूमिका को लेकर उन्होंने अभी कोई आखिरी फैसला नहीं लिया है। फिलहाल उनका पूरा ध्यान आने वाले एशियन गेम्स पर है। उन्होंने बताया कि एशियन गेम्स से पहले पाकिस्तान की टेस्ट टीम को लेकर बातचीत होने की संभावना है, जिसके बाद ही यह साफ हो पाएगा कि वह आगे टेस्ट टीम के कोच बने रहेंगे या नहीं। टेस्ट टीम की कमान मिलने के बाद माइक हेसन का पहला मैच जीत में नहीं बदल पाया। बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेले गए मैच में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लिन स्वीप कर दिया। पाकिस्तान ने इंग्लैंड को जीत के लिए 130 रनों का आसान लक्ष्य दिया था। शुरुआत में पाकिस्तान ने दो विकेट लेकर दबाव बनाने की कोशिश जरूर की, लेकिन बाद में जो रूट और जॉर्डन कॉक्स ने संभलकर खेलते हुए नाबाद शतकीय साझेदारी की और इंग्लैंड को आसानी से जीत दिला दी।

व्यापार

क्लेम रिजेक्ट करने के मामले में कंज्यूमर कोर्ट ने दिया आदेश इंश्योरेंस कंपनी को देने होंगे 8.06 करोड़ रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के जिला कंज्यूमर कोर्ट ने विक्टोरिनॉक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के फायर इंश्योरेंस क्लेम को गलत तरीके से रिजेक्ट करने के मामले में न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी को 8.06 करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान करने का आदेश दिया है।

विक्टोरिनॉक्स इंडिया के गोदाम में 16 फरवरी, 2019 को आग लग गई थी, जिसमें वहां रखा काफी सामान जलकर खाक हो गया था।

सर्वेयर ने किया था 8.06 करोड़ रुपये के नुकसान का आकलन

इंश्योरेंस कंपनी द्वारा नियुक्त किए गए सर्वेयर ने 8.06 करोड़ रुपये के नुकसान का आकलन किया था। न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी ने जनवरी, 2021 में कुछ आंतरिक समझौते और चालान उपलब्ध नहीं कराने का हवाला देते हुए विक्टोरिनॉक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का क्लेम रिजेक्ट कर दिया था।

स्विट्जरलैंड की विक्टोरिनॉक्स AG की सब्सिडरी कंपनी है विक्टोरिनॉक्स इंडिया

इंश्योरेंस कंपनी की शिकायत करने वाली कंपनी विक्टोरिनॉक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, स्विट्जरलैंड की विक्टोरिनॉक्स AG की स्वामित्व वाली सब्सिडरी कंपनी है। ये कंपनी भारत में अपनी पैरेंट कंपनी द्वारा बनाए गए ट्रैवल बैग, चाकू, लग्जरी घड़ियां, कटलरी और अन्य कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के एक्सपोर्ट, इंपोर्ट और डिस्ट्रीब्यूशन का काम करती है। विक्टोरिनॉक्स इंडिया ने न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी से 'स्टैंडर्ड फायर एंड स्पेशल पेरिल्स पॉलिसी' ली थी।

विक्टोरिनॉक्स इंडिया ने उपलब्ध कराए थे सर्वेयर द्वारा मांगे गए सभी डॉक्यूमेंट्स

इस मामले में मुंबई के जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने ई-मेल रिकॉर्ड के आधार पर पाया कि विक्टोरिनॉक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने सर्वेयर द्वारा मांगे गए डॉक्यूमेंट्स उपलब्ध कराए थे और उसके सवालों का जवाब देने के लिए ऑनलाइन मीटिंग्स में भी हिस्सा लिया था।

जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने कहा कि नुकसान का आकलन हो जाने और उस पर किसी पक्ष द्वारा विवाद नहीं किए जाने के बावजूद सिर्फ प्रक्रियागत और तकनीकी आधार पर क्लेम रिजेक्ट करना अनुचित और कानूनी रूप से टिकने योग्य नहीं था।

मानसिक परेशानी और मुकदमे में खर्च हुआ पैसा भी चुकाएगी इंश्योरेंस कंपनी

कंज्यूमर कोर्ट ने इंश्योरेंस कंपनी को शिकायत दायर किए जाने की तारीख से दावे की राशि पर 9 प्रतिशत ब्याज के साथ मानसिक परेशानी के लिए 50,000 रुपये और मुकदमा खर्च के तौर पर 50,000 रुपये का भुगतान 45 दिन के भीतर करने का आदेश दिया है।

रूस के ही कच्चे तेल से पेट्रोल बनाकर रूस भेज रहा भारत, अगस्त में सप्लाई किया 1.20 लाख टन पेट्रोल

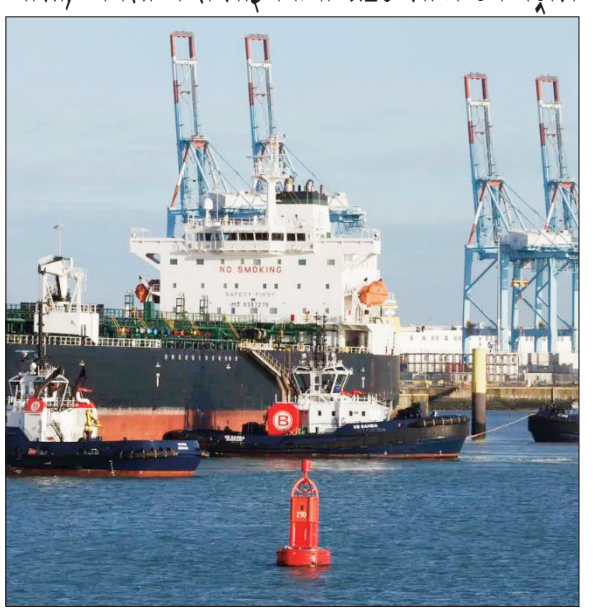

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस ने इस साल अगस्त में रिकॉर्ड 1.72 लाख टन पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया है। इस आयात में भारत का पेट्रोल भी शामिल है, जिसे रूस के ही कच्चे तेल से उस रिफाइनरी में तैयार किया गया, जिसमें रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट की हिस्सेदारी है। यूक्रेन के ड्रोन हमलों के कारण रूस की घरेलू रिफाइनिंग क्षमता बुरी तरह से प्रभावित हुई, जिसके कारण पेट्रोलियम उत्पादों का आयात बढ़ा है।

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (CREA) की मासिक रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त में रूस के तेल उत्पादों के कुल आयात में भारत की हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत रही। भारत ने अगस्त में रूस को 1.20 लाख टन पेट्रोल की सप्लाई की, जिसकी कीमत करीब 7.8 करोड़ यूरो थी।

वाडिनार रिफाइनरी में तैयार किया गया था रूस भेजा गया पेट्रोल

CREA के अनुसार, रूस में आयात किए गए तेल उत्पादों की मात्रा पिछले मासिक रिकॉर्ड से 7 गुना से ज्यादा और पूरे 2025 में आयात की गई मात्रा की तुलना में करीब 3 गुना रही। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत से रूस भेजा गया पूरा पेट्रोल गुजरात के वाडिनार रिफाइनरी में तैयार किया गया था और इसे यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के दायरे में आने वाली नायरा एनर्जी ने रोसनेफ्ट को बेचा। रोसनेफ्ट के पास नायरा एनर्जी की 49.13 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल नहीं बना पा रहा रूस

सीआरईए के मुताबिक, 2026 के पहले 8 महीनों में वाडिनार रिफाइनरी के लिए इस्तेमाल किया गया पूरा कच्चा तेल रूस से आया, जबकि 2025 में ये हिस्सेदारी 81 प्रतिशत थी। सीआरईए ने कहा कि इसका मतलब ये है कि रूस अपनी ही आंशिक स्वामित्व वाली रिफाइनरी को कच्चा तेल भेजकर उससे पेट्रोल बनवा रहा है, जिसका उत्पादन वो घरेलू स्तर पर पर्याप्त मात्रा में नहीं कर पा रहा है और फिर पेट्रोल को दुनिया के दूसरे हिस्से से वापस रूस मंगा रहा है।

रूस की तेल रिफाइनरी पर यूक्रेन ने किए हमले

सीआरईए के अनुसार, यूक्रेन की ओर से रूस की तेल रिफाइनरी और ऊर्जा ढांचे पर लगातार किए जा रहे ड्रोन हमलों ने घरेलू ईंधन उत्पादन को प्रभावित किया है और देश में ईंधन की कमी की स्थिति पैदा की है। रूस ऐतिहासिक रूप से दुनिया के सबसे बड़े परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद निर्यातकों में रहा है। हालांकि, अगस्त में उसके कुल तेल उत्पाद आयात में पेट्रोल की हिस्सेदारी 74 प्रतिशत रही, जबकि 2023 से 2025 के बीच इसका औसत केवल 6 प्रतिशत था।

यूपी में तेजी से बढ़ेगा रियल एस्टेट कारोबार, 2380 करोड़ के 13 प्रोजेक्ट मंजूर; 6 शहरों की बदलेगी तस्वीर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में रियल एस्टेट सेक्टर को बड़ी रफ्तार मिलने वाली है। उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (UP RERA) ने राज्य के छह जिलों में ₹2,380.04 करोड़ के 13 रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद कुल 4,724 आवासीय और व्यावसायिक यूनिट्स तैयार होंगी। इससे न सिर्फ घर और कमर्शियल स्पेस की उपलब्धता बढ़ेगी, बल्कि निर्माण से जुड़े कई क्षेत्रों में भी कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। प्रस्तावित निवेश के मामले में बाराबंकी सबसे आगे रहा। यहां दो आवासीय परियोजनाओं को मंजूरी मिली है, जिनमें करीब ₹751.42 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। इन दोनों प्रोजेक्ट्स में कुल 591 आवासीय यूनिट्स बनाई जाएंगी। वहीं, यूनिट्स की संख्या के मामले में लखनऊ सबसे आगे है। यहां ₹385.76 करोड़ के निवेश वाली एक आवासीय परियोजना को मंजूरी मिली है। इस प्रोजेक्ट में कुल 1,392 यूनिट्स विकसित की जाएंगी। इससे शहर में नए आवासीय विकल्प बढ़ेंगे।

वाराणसी में तीन आवासीय परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन पर करीब ₹750.24 करोड़ का निवेश होगा और कुल 1,189 यूनिट्स बनाई जाएंगी। वहीं गाजियाबाद में दो कमर्शियल और एक आवासीय समेत तीन प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली है। यहां ₹286.27 करोड़ के निवेश से 864 यूनिट्स तैयार होंगी।

गौतम बुद्ध नगर, जिसमें नोएडा भी शामिल है, में एक आवासीय और एक कमर्शियल प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली है। करीब ₹186 करोड़ के निवेश वाले इन प्रोजेक्ट्स में 564 यूनिट्स बनेंगी। आगरा में दो आवासीय परियोजनाओं को मंजूरी मिली है, जिन पर ₹20.35 करोड़ का निवेश होगा और 124 यूनिट्स तैयार होंगी।

UP RERA के मुताबिक, इन परियोजनाओं से निर्माण गतिविधियों में तेजी आएगी। इसका फायदा सीमेंट, स्टील, निर्माण सामग्री, ट्रांसपोर्ट और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों को भी मिल सकता है। साथ ही इन प्रोजेक्ट्स से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

Zomato ने ग्राहकों को दिया झटका अब कैश में पेमेंट करना पड़ेगा महंगा

मुंबई (एजेंसी)। अक्सर ऑनलाइन खाना मंगाने वालों के लिए जरूरी खबर है। अगर आप जोमैटो से खाना ऑर्डर करते हैं और पेमेंट डिलीवरी के समय (COD) में करते हैं, तो अब आपको इसके लिए एक्स्ट्रा पैसे देने पड़ सकते हैं। जोमैटो ने कैश ऑन डिलीवरी ऑर्डर पर अलग से पे ऑन डिलीवरी फीस लगाना शुरू किया है। इससे कैश में भुगतान करने वाले ग्राहकों का कुल बिल बढ़ जाएगा।

यह नया शुल्क ऑर्डर के बिल में पे ऑन डिलीवरी फीस के नाम से दिखाई दे रहा है। हालांकि, यह फीस सभी ग्राहकों के लिए एक जैसी नहीं है। अलग-अलग ऑर्डर और यूजर्स के लिए अलग रकम दिखाई दे रही है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक कुछ मामलों में यह चार्ज 5 रुपये बताया जा रहा है। हालांकि, इस फीस की गणना किस आधार पर होती है, यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। यह ऑर्डर की कीमत, ग्राहक की लोकेशन या किसी अन्य फैक्टर पर निर्भर कर सकती है।

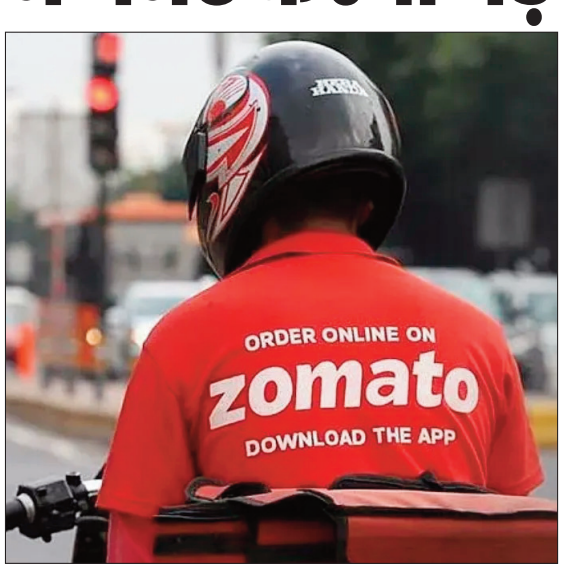

जोमैटो पर ग्राहकों को पहले से ही प्लेटफॉर्म फीस के अलावा डिलीवरी चार्ज, पैकेजिंग फीस और अन्य लागू शुल्क देने पड़ते हैं। अब COD के लिए अलग फीस जुड़ने से कैश में भुगतान करने वाले ग्राहकों का खर्च और बढ़ सकता है।

स्विगी पर अभी नहीं है ऐसी फीस

जोमैटो के इस कदम की खास बात यह है कि प्रतिद्वंद्वी प्लेटफॉर्म स्विगी फिलहाल कैश ऑन डिलीवरी ऑर्डर पर अलग से शुल्क नहीं ले रहा है। ऐसे में आने वाले समय में यह बदलाव दोनों प्लेटफॉर्म के बीच प्रतिस्पर्धा को भी प्रभावित कर सकता है।

5 रुपये की फीस से करोड़ों की कमाई?

पहली नजर में 5 रुपये का एक्स्ट्रा चार्ज छोटा लग सकता है, लेकिन बड़े पैमाने पर ऑर्डर होने की वजह से कंपनी के लिए यह अच्छी कमाई का जरिया बन सकता है। जोमैटो को हर दिन करीब 23 से 25 लाख फूड ऑर्डर्स मिलते हैं। अगर 25 प्रतिशत ऑर्डर पर भी 5 रुपये का एक्स्ट्रा चार्ज लगे, तो संभावित अतिरिक्त रकम काफी बड़ी हो सकती है। हालांकि, यह मान लेना सही नहीं होगा कि हर ऑर्डर पर 5 रुपये की फीस लागू है, क्योंकि कंपनी का COD शुल्क अलग-अलग यूजर्स और ऑर्डर में अलग दिखाई दे रहा है।

हर बारिश में वही तस्वीर, फिर भी पालिका नहीं ले रही सुध!

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर में बारिश आते ही जलभराव की समस्या कोई नई बात नहीं है, लेकिन इसके स्थायी समाधान को लेकर नगर पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली अब सवालों के घेरे में है। बारिश ने नगर के गंदे पानी की निकासी व्यवस्था की ऐसी तस्वीर सामने रख दी, जिसने विकास के दावों के बीच बुनियादी सुविधाओं की हकीकत उजागर कर दी। अधूरे सड़क-नाली निर्माण और जाम नालियों के कारण कई जगह पानी सड़कों पर जमा रहा। सवाल यह है कि जब हर साल बारिश में यही समस्या सामने आती है, तो पालिका प्रशासन ने इससे निपटने के लिए अब तक क्या ठोस तैयारी की?

गरियाबंद पालिका प्रशासन की बात करें तो नगर विकास के लिए कोई मास्टर प्लान तक नहीं है, जिसका खामियाजा आज भी नगरवासियों को भुगतना पड़ रहा है। हालांकि गरियाबंद जिला मुख्यालय हो गया है, भले ही सड़के ऊपर और चौड़ी हो गई है, लेकिन जिस जगह गंदे पानी जमा हो रहे हैं, वह आज दशकों पूर्व के समय के नीम रपटा की तस्वीर को सामने लाकर खड़े कर दे रही है, जिसमें कभी पानी की तेज धार बहती थी और उसे पार कर लोग आवाजाही करते थे। लोगों का कहना है कि समय के साथ गरियाबंद में बहुत कुछ बदला लेकिन समस्याएं नहीं बदली।

गरियाबंद जिला मुख्यालय बनने के बाद शहर में सड़कें चौड़ी हुईं, कई जगह नए निर्माण हुए और विकास के दावे भी किए गए, लेकिन गंदे पानी की निकासी जैसी बुनियादी व्यवस्था आज भी पुराने ढर्रे पर नजर आ रही है। नगर के कई हिस्सों में बारिश का पानी निकलने का रास्ता नहीं होने के कारण सड़क में पानी भर जा रही है। नेशनल हाईवे पर पुराने नीम रपटा क्षेत्र में आज भी जलभराव की स्थिति ने लोगों को वर्षों पुरानी तस्वीर की याद दिला दी, जब यहां बारिश के दिनों में पानी की तेज धार बहा करती थी। फर्क सिर्फ इतना है कि समय के साथ शहर बदला, सड़कें बदलीं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान आज भी नजर नहीं आता।

अधूरी नालियां और निर्माण ने बढ़ाई परेशानी

नगर में जलभराव की एक बड़ी वजह सड़क और नाली निर्माण की अव्यवस्था भी सामने आ रही है। नेशनल हाईवे पर सड़क चौड़ीकरण के साथ नाली निर्माण का काम शुरू तो हुआ, लेकिन बारिश आने तक कई जगह काम अधूरा रह गया। नतीजा यह हुआ कि बारिश का पानी सुचारू रूप से निकलने के बजाय सड़कों पर जमा होने लगा। जब बारिश का मौसम सामने था, तो निर्माण कार्य को समय रहते पूरा करने और वैकल्पिक जलनिकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी थी, यह सवाल अब पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर खड़ा हो रहा है। वहीं सड़क किनारे बनी दुकानों के कारण कई जगह नालियां ढंक गई हैं। नालियों तक सफाईकर्मियों की पहुंच नहीं होने और कचरा जमा होने से जलनिकासी प्रभावित हो रही है। इसका असर जिला अस्पताल जाने वाली सड़क पर भी देखने को मिला, जहां चमचमाती डामर सड़क पर मटमैला पानी जमा रहा। एक तरफ शहर में विकास कार्यों की तस्वीर दिखाई जाती है, तो दूसरी तरफ उसी शहर की प्रमुख सड़कें बारिश में जलभराव और गंदे पानी की समस्या से जूझती नजर आती हैं।

विकास की चमक के बीच जलभराव का दाग

नगरवासियों का कहना है कि शहर में समय के साथ कई बदलाव हुए, लेकिन जलनिकासी की समस्या जस की तस बनी हुई है। सवाल यह भी है कि क्या नगर के विकास के लिए कोई समग्र और दीर्घकालीन जलनिकासी योजना तैयार की गई है? यदि योजना है तो उसका असर जमीन पर क्यों नहीं दिख रहा?

बारिश के बाद सामने आई तस्वीरें सिर्फ जलभराव की नहीं, बल्कि पालिका की बारिश पूर्व तैयारी, निर्माण कार्यों की निगरानी, नालियों की सफाई और शहर की समग्र प्लानिंग पर भी सवाल खड़े कर रही हैं। अधूरे सड़क-नाली निर्माण, जगह-जगह बाधित नालियां और पानी निकासी के कमजोर इंतजाम का खामियाजा आम राहगीरों और वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है।

नगरवासियों की मांग है कि पालिका प्रशासन जलभराव वाले स्थानों को चिन्हित कर तत्काल स्थायी जलनिकासी की व्यवस्था करे। साथ ही अधूरे नाली और सड़क निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने, नालियों से अतिक्रमण और कचरा हटाने और बारिश पूर्व तैयारियों की समीक्षा कर जिम्मेदारी तय की जाए। क्योंकि हर बारिश के बाद समस्या सामने आने और फिर उसके गुजर जाने का इंतजार करने के बजाय पालिका को अब इसका स्थायी समाधान तलाशना होगा।

तीन दिन की मूसलाधार बारिश में घुटने से ऊपर तक भरा था पानी

जुलाई माह में 27, 28 और 29 तारीख को हुई मूसलाधार बारिश के दौरान नीम रपटा क्षेत्र में घुटने से ऊपर तक पानी भर गया था। पानी का स्तर इतना बढ़ गया था कि इस रास्ते से लोगों की आवाजाही लगभग ठप हो गई थी और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ था। इसके बावजूद करीब दो माह बाद भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाना नगर पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। लोगों का आरोप है कि नगर पालिका और वर्तमान में सड़क चौड़ीकरण का काम कर रहे एनएच विभाग के बीच समन्वय नहीं होने के कारण जलनिकासी की समस्या जस की तस बनी हुई है। निर्माण के दौरान बारिश के पानी की निकासी के लिए ठोस वैकल्पिक व्यवस्था नहीं किए जाने से परेशानी बढ़ गई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब जुलाई की बारिश में जलभराव की भयावह स्थिति सामने आ चुकी थी, तो उसके बाद भी पालिका और संबंधित विभाग ने इस संवेदनशील स्थान पर स्थायी जलनिकासी की व्यवस्था क्यों नहीं की?

अधिकारी-नेताओं की आवाजाही, फिर भी समस्या पर नहीं दिया ध्यान

नीम रपटा क्षेत्र नगर के प्रमुख मार्ग पर स्थित है। इस मार्ग से जिले के आला अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों और नेताओं की लगातार आवाजाही होती है। बावजूद इसके सड़क पर जलभराव की समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जाना लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। जब जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की नजरों के सामने यह समस्या मौजूद है, तो आम लोगों की परेशानी दूर करने के लिए प्रभावी पहल क्यों नहीं हुई? इसे लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान कुछ घंटों या दिनों के लिए जलभराव होना अलग बात है, लेकिन एक ही स्थान पर बार-बार ऐसी स्थिति बनना यह बताता है कि समस्या का मूल कारण दूर करने की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं हुए हैं।

पालिका अध्यक्ष की सुस्ती पर उठ रहे सवाल, करोड़ों के काम के बाद भी नहीं बदली शहर की तस्वीर

नगर पालिका में एक बार फिर भाजपा का अध्यक्ष चुना गया है। यह तीसरी बार है जब जनता ने भाजपा पर भरोसा जताते हुए अपना जनसमर्थन दिया है। ऐसे में नगरवासियों को पालिका से विकास कार्यों में तेजी और नगर की तस्वीर बदलने की बड़ी उम्मीदें थी। लेकिन वर्तमान में पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव की कार्यप्रणाली और विकास कार्यों की धीमी रफ्तार को लेकर लोगों के बीच चर्चाएं शुरू हो गई हैं। जानकारी के मुताबिक नगर में अब तक करोड़ों रुपये के विकास कार्य कराए गए हैं, बावजूद इसके शहर की बुनियादी समस्याओं और व्यवस्थाओं में अपेक्षित बदलाव नजर नहीं आ रहा है। लोगों का कहना है कि जितने बड़े स्तर पर विकास के लिए राशि खर्च की जा रही है, उसके अनुरूप नगर की तस्वीर भी बदलनी चाहिए थी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या विकास कार्यों की धीमी गति और प्रभावी मॉनिटरिंग के अभाव के कारण योजनाओं का अपेक्षित लाभ नगर को नहीं मिल पा रहा है? तीसरी बार मिले जनादेश के बाद अब लोगों की नजर पालिका अध्यक्ष के कामकाज और आने वाले दिनों में विकास को लेकर उठाए जाने वाले ठोस कदमों पर टिकी है।

बिहान से बदली ग्रामीण महिलाओं की तस्वीर, 53 समूहों को 2.35 करोड़ की मदद

महासमुंद। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ी ग्रामीण महिलाएं अब स्वरोजगार के जरिए आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। बागबाहरा क्षेत्र में महिला समितियों द्वारा 139 किराना स्टोर, 35 फैंसी स्टोर, 44 बकरी पालन, 8 गाय पालन, 35 सेंट्रिंग प्लेट और 19 टेंट हाउस संचालित किए जा रहे हैं।

बागबाहरा जनपद पंचायत में आयोजित विकासखंड स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में बैंक लिंकेज, वित्तीय साक्षरता और विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान 53 समूहों को 2 करोड़ 35 लाख 20 हजार रुपये की वित्तीय सहायता तथा 22 उद्यमी दीदियों को व्यक्तिगत उद्यम ऋण की स्वीकृति दी गई।

बिहान के तहत अब तक समूहों को रिवॉल्विंग फंड से 348.60 लाख, सामुदायिक निवेश कोष से 1208.40 लाख और ग्राम संगठन स्टार्टअप फंड से 24.85 लाख रुपये मिल चुके हैं।

क्लस्टर के माध्यम से यह राशि समूहों को कम ब्याज पर आसान किस्तों में उपलब्ध कराई जाती है, जिससे क्लस्टर महिलाओं के लिए 'मिनी बैंक' की तरह काम कर रहे हैं।

जनपद अध्यक्ष केशव चंद्राकर ने कहा कि बिहान ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बन रहा है।

वहीं जनपद उपाध्यक्ष तरुण व्यवहार और सीईओ एम.एल. मंडावी ने प्रशिक्षण, वित्तीय प्रबंधन और स्थायी आजीविका से महिलाओं को जोड़ने पर जोर दिया।

नेशनल लोक अदालत शिविर में नगर पालिका ने वसूले 1 लाख 38 हजार 689 रूपये

बड़े बकायादारों को जारी किए गए थे नोटिस, राशि जमा करने लोक अदालत में पहुंचे करदाता

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा आयोजित राजस्व वसूली शिविर को अच्छा प्रतिसाद मिला।

लोक अदालत के माध्यम से लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं आसान समाधान का अवसर मिलने के साथ ही नगर पालिका के बकायादार करदाताओं को भी अपनी लंबित राशि जमा करने की सुविधा दी गई। शिविर के दौरान नगर पालिका द्वारा लगभग 1 लाख 38 हज़ार रुपये से अधिक की राजस्व राशि की वसूली की गई।

लम्बित राशि जमा करने पहुंचे लोक अदालत

नगर पालिका द्वारा पूर्व में बड़े बकायादारों को लंबित कर एवं अन्य देय राशि जमा करने के लिए नोटिस जारी किए गए थे। राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर लगाए गए विशेष शिविर की जानकारी मिलने के बाद कई बकायादार अपनी लंबित राशि जमा करने लोक अदालत न्यायलय पहुंचे। इस दौरान संबंधित करदाताओं से बकाया राशि जमा कराई गई ।

इस प्रकार के शिविरों का उद्देश्य केवल राजस्व वसूली करना नहीं, बल्कि नागरिकों को उनकी लंबित देनदारियों का निपटारा करने के लिए सरल और सुविधाजनक अवसर उपलब्ध कराना भी है। लोक अदालत की प्रक्रिया के माध्यम से नागरिकों को अपने लंबित मामलों और देय राशि के समाधान का अवसर मिलता है।

समय पर राशि जमा करने की अपील

नगर पालिका परिषद ने शहर के सभी करदाताओं से अपील की है कि वे अपने संपत्तिकर, समेकित कर, जलकर, दुकान किराया सहित अन्य लंबित देय राशि का समय पर भुगतान करें।

टोनही होने के शक में माँ की हत्या, पुत्र गिरफ्तार

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले के थाना झलमला क्षेत्रांतर्गत टोनही होने के संदेह में अपनी ही मां के साथ मारपीट कर उसकी हत्या करने वाले आरोपी पुत्र को झलमला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी झलमला निरीक्षक आशिष कंसारी के नेतृत्व में झलमला पुलिस द्वारा प्रकरण में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की गई। 11 सितम्बर को ग्राम मुड़वाही निवासी सूचनाकर्ता सबर सिंह मेरावी द्वारा अपनी पत्नी श्रीमती बतसिया बाई मेरावी, उम्र 50 वर्ष, की मृत्यु के संबंध में थाना झलमला में मर्ग इंटीमेशन दर्ज कराया गया। सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल मर्ग कायम कर घटनास्थल का निरीक्षण एवं शव पंचनामा कार्यवाही की गई। शव निरीक्षण के दौरान मृतिका के शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोट के निशान पाए गए, जिसके पश्चात शव को पोस्टमार्टम हेतु पी.एच.सी. रेंगाखार भेजा गया। मर्ग जांच के दौरान गवाहों के कथन एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर गंभीर तथ्य सामने आए।

जांच के दौरान गवाहों ने बताया कि 09 सितम्बर की रात्रि करीब 10 बजे मृतिका का पुत्र तुलसी राम मेरावी अपनी मां पर टोनही होने का आरोप लगाते हुए उसके साथ मारपीट कर रहा था। आरोपी द्वारा लात-घूंसों एवं लकड़ी के डंडे से मृतिका के साथ गंभीर रूप से मारपीट की गई थी। पोस्टमार्टम के पश्चात प्राप्त शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में मृतिका की छाती पर गंभीर चोटों के कारण मृत्यु होने का जिक्र किया गया था। मर्ग जांच एवं प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर आरोपी तुलसी राम मेरावी द्वारा अपनी मां को टोनही होने के संदेह में मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाकर हत्या करना पाए जाने पर थाना झलमला में अपराध क्रमांक 15/2026, धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता एवं धारा 4, 5 छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम, 2005 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी तुलसी राम मेरावी पिता सबर सिंह मेरावी, उम्र 21 वर्ष, निवासी ग्राम मुड़वाही, थाना झलमला, जिला कबीरधाम को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में होंगे विविध कार्यक्रम

स्कूलों में आयोजित होंगी भाषण व झांकी प्रतियोगिताएं

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। राज्य शासन के निर्देशानुसार गरियाबंद जिले में भी 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत विकसित भारत की संकल्पना, 25 वर्षों की सेवा कार्यों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को विद्यार्थियों एवं आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

अभियान की शुरुआत 17 सितंबर 2026 को 'दीप प्रज्वलन' कार्यक्रम से होगी। इस दौरान प्रत्येक शासकीय भवन, विद्यालय, आश्रम एवं अनुदान प्राप्त विद्यालय में दीप प्रज्वलन किया जाएगा। साथ ही शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के घरों में भी दीप प्रज्वलित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अभियान के तहत '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' विषय पर भाषण एवं झांकी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। विद्यालय स्तर पर भाषण प्रतियोगिता 18 सितंबर तथा झांकी प्रदर्शन 19 सितंबर को होगा। इसके बाद विकासखंड स्तर पर प्राथमिक/पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में 28 सितंबर और माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में 1 अक्टूबर को प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। जिला स्तरीय प्रतियोगिता 3 अक्टूबर को प्रस्तावित है।

जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार चंद्राकर ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान विद्यार्थियों को विकसित भारत की संकल्पना से जोड़ने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवा कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सभी विद्यालयों को अभियान के तहत निर्धारित गतिविधियों में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

अभियान के दौरान 'उड़ान' कार्यक्रम के अंतर्गत एनसीसी, स्काउट एवं स्कूली बच्चों की गतिविधियां 23 सितंबर को आयोजित होंगी। वहीं 'युवा रंगोली' कार्यक्रम 24 सितंबर को विकासखंड मुख्यालय के विद्यालयों में आयोजित किया जाएगा।

इसी क्रम में 'सेवा सेतु' के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय सेवा कार्यक्रमों में सायकल वितरण सहित अन्य योजनाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा 'सेवा की कहानी' कार्यक्रम के माध्यम से योजनाओं के पहले और बाद की स्थिति से संबंधित अनुभव विद्यालय, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर प्रस्तुत किए जाएंगे। इस अवसर पर विद्यालयों में आयोजित गतिविधियों की फोटो एवं वीडियो बनाकर निर्धारित पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। साथ ही कार्यक्रमों में पालकगण, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य एवं ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

सर्व यादव समाज जिला संगठन बालोद की बैठक संपन्न

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। आज दिनांक 11 सितंबर 2026 को जिला मुख्यालय बालोद में सर्व यादव समाज जिला संगठन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस गरिमामयी बैठक में समाज की विभिन्न उप-शाखाओं यथा कोसरिया यादव, बड़े कोसरिया यादव, ठेठवार यादव एवं झेरिया यादव समाज के प्रतिनिधि व पदाधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान समाज के चहुंमुखी विकास, राजनीतिक सहभागिता, सामाजिक एकजुटता और आगामी संगठनात्मक संरचना को लेकर विस्तार से वैचारिक मंथन किया गया।

पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राजेश यादव ने ओजस्वी स्वरों में कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकजुटता में निहित है। उन्होंने आह्वान किया कि यादव समाज की समस्त उप-शाखाओं के पदाधिकारियों को एक-दूसरे के आयोजनों में सहर्ष सम्मिलित होना चाहिए—यही परस्पर संवाद की वह जीवंत धुरी है जो हमारी सामूहिक एकता के प्राण को और अधिक प्रगाढ़ करती है।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने उस करुण दृश्य की ओर समाज का ध्यान आकर्षित किया जहाँ मूक गौमाताएँ अराक्षित सड़कों पर भटकने को विवश हैं और आए दिन भीषण दुर्घटनाओं का ग्रास बन रही हैं।

उन्होंने संकल्प व्यक्त किया कि इन बेसहारा गोवंश की त्रासद स्थिति से रक्षा के लिए हमें एकजुट होकर एक भव्य 'गोधाम' की स्थापना का पवित्र प्रयास करना चाहिए।

आइए, इस वैचारिक संकल्प को आत्मसात करें और एक सशक्त, जागृत एवं संवेदनशील समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

रमेश यदु प्रांत अध्यक्ष छ.ग.सर्व यादव समाज ने कहा छत्तीसगढ़ में हम यादवों की संख्या 35 लाख है इसके बाद भी हमें गौ सेवा आयोग में प्रमुख पद नहीं मिलता, जबकि गौ सेवा ही हमारा प्रमुख कार्य रहा है।

आपने दुर्ग के झुमुक लाल राऊत को सम्मान पूर्वक याद किया , जिन्होंने सन् 1986 में दुर्ग में सर्व यादव का सफल राष्ट्रीय सम्मेलन कराया था। हमें आपस में सहयोग करते हुए ऐसे ही आयोजन करना चाहिए ।

बैठक में पारित प्रमुख प्रस्ताव है-

1/ छत्तीसगढ़ में यादव समाज के सदस्य जो रावत उपजाति लिखते हैं उन्हें पिछड़ा वर्ग की मान्यता दी जावे।

2/कोर कमेटी का गठन किया जाएगा जिसमें विभिन्न उप शाखाओं के जिलाध्यक्ष ,महासचिव और दो अन्य सदस्य लिए जायेंगे युवा प्रकोष्ठ , महिला प्रकोष्ठ, कर्मचारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, महासचिव पदेन रहेंगे ।

3/जातिगत जनगणना 2027 एवं अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु 27% आरक्षण की मांग शासन से की गई।

4/आगामी 16 सितंबर 2026 बुधवार को दोपहर 10:00 बजे ठेठवार यादव भवन गंजपारा बालोद में सर्व यादव समाज के कोर कमेटी की बैठक रखी गई है ।

बैठक में आगामी 24 सितंबर को सर्व यादव जिला संगठन के पुनर्गठन की रूपरेखा बनाई जाएगी।

बैठक व्यवस्था के प्रभारी ताम्रध्वज यादव, राकेश यादव (बिरेतरा), बलदेव यादव, हिमन लाल यादव बनाए गए हैं।

वक्ताओं में

नरेश यदु उपाध्यक्ष जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग ने कहा, सभी सम्मेलनों का आमंत्रण पत्रक प्रत्येक गांव के छोटे-छोटे संगठनों तक अवश्य पहुंचाया जाए ताकि सामाजिक गतिविधियों की उन्हें भी जानकारी होती रहे।

दयालु राम यादव चिरईगुड़ी ने कहा हमें जिला संगठन, तहसील एवं सर्कल में भी सर्व यादव संगठन में समन्वय बनाना है ताकि धार्मिक और राजनीतिक आयोजनों को सफलता की नवीन ऊंचाइयों तक ले जा सके।

नंदकिशोर यादव (सेवानिवृत्त प्राचार्य, टेकापार) ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रांत में हम यादव जनसंख्या के मामले में तीसरे स्थान पर हैं, और हम सभी को आपसी संवाद तथा सुदृढ़ समन्वय को निरंतर आगे बढ़ाते रहना होगा ताकि समाज को उसका वास्तविक अधिकार व उचित प्रतिनिधित्व मिल सके।

राकेश यादव बिरेतरा ने कहा हम सोशल मीडिया का अच्छी तरह उपयोग करके पूरे जिले और गांव से जुड़े रह सकते हैं।

जितेंद्र यादव पुरूर ने कहा अन्य राज्यों के यादवों की तरह हमें भी राजनीति में आगे आना होगा।

बैठक के अंत में समाज के देवसिंह यादव एवं प्रांशु यादव के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि दी गई।

बैठक में समाज प्रमुखों में कोसरिया समाज से हिमनलाल यादव , दुर्गा प्रसाद यादव ,अलखराम, द्वारपाल, गिरेंद्र यादव बड़े कोसरिया यादव समाज से देव प्रसाद, अशोक कुमार, दयालु राम , पीतांबर यादव, ठेठवार समाज से उत्तम यादव, नंदकिशोर यादव, बलदेव यादव, ताम्रध्वज यादव, गोवर्धन यदु , झेरिया समाज से रामकुमार यादव ,अरविंद, हीरामन ,भूषण यादव एवं हिमेश्वर यादव, देवेंद्र यादव, देवव्रत यादव, ओमप्रकाश यादव आदि उपस्थित रहे। यह जानकारी सर्व यादव समाज जिला बालोद के प्रवक्ता बलदेव यादव ने दिया।

बहिनी मन ला वंदन
नारी शक्ति के अभिनंदन
तीजा एवं गणेश चतुर्थी
की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

आस्था और सौभाग्य के लोकपर्व तीजा पर नारी शक्ति को नमन

महतारी वंदन योजना

68 लाख
महिलाओं के खाते में अब तक
₹20,075 करोड़ अंतरित

लखपति दीदी

प्रदेश की **13.85 लाख**
से अधिक महिलाएं बनीं लखपति दीदी

संपत्ति में बढ़ी महिलाओं की हिस्सेदारी

जमीन की रजिस्ट्री में महिलाओं
को पंजीयन शुल्क में
50% की छूट

सखी वन स्टॉप सेंटर

तत्काल परामर्श एवं
कानूनी सहायता हेतु
42 केंद्र संचालित

महतारी सदन

सुविधा एवं सशक्तीकरण हेतु बनाए जा रहे
481 महतारी सदन

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना

जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह हेतु
₹50 हजार की सहायता

महिला श्रमिकों को स्वरोजगार

श्रमिक दीदियों को **ई-रिक्शा सहायता**
से स्वरोजगार को बढ़ावा

संवाद आर.ओ. नं.- 49041/39

'महतारी गौरव वर्ष', सशक्त महिलाएं, समृद्ध छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com